▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 148 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 22-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

हार्दिक अभिनंदन

"राजस्थान श्री सम्मान"

(Business & Social Impact)

श्री किशोरजी जैन

हमें अत्यन्त हर्ष है कि श्री किशोरजी जैन को उनके उत्कृष्ट व्यावसायिक नेतृत्व, नवाचार एवं समाज के प्रति प्रभावशाली योगदान कि लिए ''राजस्थान श्री सम्मान'' से सम्मानित किया गया है।

आपने सिद्ध किया है कि

व्यवसाय जब मूल्यों से जुड़ता है, तो समाज के लिए परिर्वतन की शक्ति बन जाता है।

"सफलता वही सार्थ हैं, जो समाज को भी आगे बढ़ाएं।।"

* सादर शुभेच्छाओं सहित *

- Narendra Aayush Srisrimal (Medi Sales Group)
- Narendra Nishank Sakariya (Megh Group)
- Shantilal Kamlesh Jain (Jain Metal Group)
- Bharat Kamdar
- Khimraj Sakariya
- Suresh Mutha
- Anil Jain (Refex Group)
- Bharat Akash Sakariya (Mahalaxmi Jewellery)
- Pramod Chordia
- Rajesh Surana

B.L.T

हार्दिक अभिनंदन एवं गौरवपूर्ण बधाई

"राजस्थान रत्न सम्मान"

(Social Services & Leadership Achievement)

श्री प्यारेलालजी पितलिया

"राजस्थान रत्न सम्मान"

" राजस्थान श्री सम्मान"

(Social Services & Leadership Achievement)

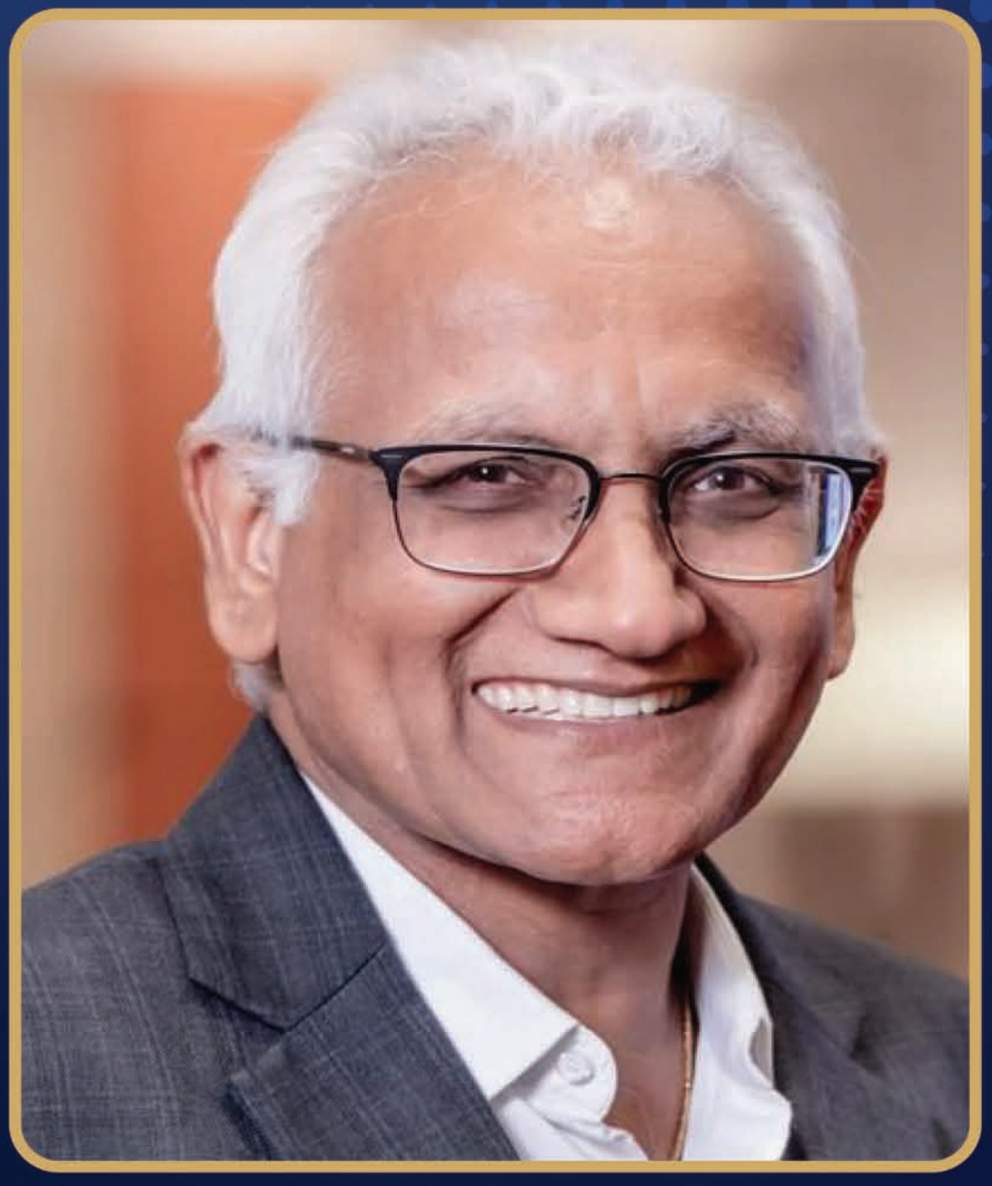

श्री प्रवीणजी टाटिया

"राजस्थान श्री सम्मान"

हमें अत्यन्त हर्ष एवं गौरव है कि श्री प्यारेलालजी पितलिया को उनके दीर्घकालीन सामाजिक योगदान, मूल्यनिष्ठ नेतृत्व एवं समाज-निर्माण में असाधरण सेवाओं के लिए ''राजस्थान रत्न सम्मान'' से सम्मानित किया गया है।

साथ ही,

श्री प्रवीणजी टाटिया को उनकी निरंतर सामाजिक सेवाओं, प्रेरक नेतृत्व एवं समुदाय के सशक्तिकरण में प्रभावशाली भूमिका के लिए ''राजस्थान श्री सम्मान'' से अलंकृत किया गया है।

आप दोनों का जीवन यह सिद्ध करता है कि सेवा, नेतृत्व और समर्पण जब एक साथ चलते हैं, तो समाज में स्थायी परिर्वन जन्म लेता है।

"सच्चा नेतृत्व वही है, जो स्वयं आगे बढ़ते हुए समाज को भी साथ लेकर चले।।"

*** सादर शुभेच्छाओं सहित ***

Narendra Aayush Srisrimal
(Medi Sales Group)
Shanthilal Kamlesh Jain
(Jain Metal Group)
Ajeet Kumar Chordia
Dinesh Kothari
Suresh Sancheti

Raj. Ratna K Subhashchand Naresh Ranka
Prakashmal Manish Mardia
Dilip J. Chandan
Ashok Kumar Rekha Mundhra
Kailashmull Hemant Dugar
Vijay Goyal (Milkyway)

B.L.T

RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 148 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 22-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'एक देश, एक कारोबारी' का एजेंडा चला रही है भाजपा : अखिलेश

6 हमारी सामाजिक होड़ और बच्चों का स्वास्थ्य

7 उर्वशी ढोलकिया के नाम 'आईटीए माइलस्टोन अवॉर्ड'

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति ने 'शांति' विधेयक को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के शीतकालीन सत्र में पारित किये गए 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक' को मंजूरी दे दी। सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने शनिवार को शांति विधेयक को मंजूरी दी। यह विधेयक नागरिक परमाणु क्षेत्र से संबंधित सभी कानूनों को समाहित करता है और साथ ही इसे निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए भी खोलता है। शांति विधेयक ने परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 को निरस्त कर दिया। यह निजी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों को सरकार से लाइसेंस प्राप्त करके परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व, संचालन करने में सक्षम बनाता है।

इजराइल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 19 नई यहूदी बस्तियों को मंजूरी दी

तेल अवीव/एपी। इजराइल के धुर दक्षिणपंथी वित्त मंत्री ने बताया कि उनके देश के मंत्रिमंडल ने रविवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 19 नई बस्तियों की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री बेत्जालेल स्मोट्रिच के अनुसार, इन बस्तियों में दो ऐसी बस्तियां भी शामिल हैं जिन्हें 2005 की सैन्य वापसी योजना के दौरान खाली कराया गया था। स्मोट्रिच वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। स्मोट्रिच ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इससे पिछले दो वर्षों में निर्मित नई बस्तियों की कुल संख्या 69 हो गई है।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 69 रन) की आकर्षक अर्धशतकीय पारी से रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका को 32 गेंद रहते आठ विकेट से हराकर पांच मैच की शृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय गेंदबाजों ने ओस के बावजूद श्रीलंका को छह विकेट पर 121 रन का स्कोर ही बनाने दिया। ओस के उम्मीद से पहले असर दिखाने के बावजूद मेहमान टीम की बल्लेबाज ढीली गेंदों का पूरा फायदा नहीं उठा सकीं। फिर भारतीय टीम ने यह लक्ष्य 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर हासिल कर लिया जिसमें जेमिमा ने 44 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके लगाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 25 रन का योगदान दिया।

22-12-2025 सूर्यास्त 5:48 बजे | 23-12-2025 सूर्योदय 6:27 बजे

BSE	NSE
84,929.36 (+447.55)	25,966.40 (+150.85)

सोना	चांदी
13,850 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	222,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदलाव का वक्त

वक्त है बदलाव का,
बदलें सभी व्यवहार को।
बदल डाले तंत्र में,
विस्तीर्ण भ्रष्टाचार को।
हो सके तो रोक दें,
अपराध की भरमार को।
लोग सच्चे हों सियासी,
चुने उन किरदार को।।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है कांग्रेस : मोदी

अवैध प्रवासियों को असम में बसाना चाहती है कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नामरूप/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ''राष्ट्रविरोधी'' गतिविधियों में लिप्त है और असम में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को बसाने में मदद कर रही है।

असम में डिब्रूगढ़ जिले के नामरूप में 10,601 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले उर्वरक संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने यहां पुराने संयंत्र को आधुनिक बनाने और किसानों की समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने के लिए कोई प्रयास नहीं किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है। वह अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को असम में बसाने की कोशिश कर रही है। वह केवल अपना वोटबैंक मजबूत करना चाहती है। जनता की उसे कोई परवाह नहीं है।'' उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी पार्टी का असमिया लोगों की पहचान, अस्तित्व और गौरव से कोई लेना-देना नहीं है, जिसे भाजपा ने बचाने की कोशिश की है।

मोदी ने कहा, कांग्रेस मतदाता सूची में संशोधन का विरोध कर रही है क्योंकि वह केवल सत्ता हथियाना चाहती है... वह मेरे अच्छे कार्यों का विरोध करती है... भाजपा सरकार हमेशा असमिया लोगों की पहचान, भूमि, गौरव और अस्तित्व की रक्षा के लिए काम करती रहेगी।

असम दौरे के दूसरे और अंतिम दिन रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस देश को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि पिछले 11 वर्षों से उन गलतियों को ''सुधारने'' के बावजूद, बहुत सा काम अब भी बाकी है।

मोदी ने कहा, जब हमारी सरकार ने डॉ. भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो कांग्रेस ने खुले तौर पर इस निर्णय का विरोध किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि 'मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है' । यह भूपेन दा और असम के लोगों का अपमान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य असम को उतना शक्तिशाली बनाना है जितना कि वह अहोम साम्राज्य के समय हुआ करता था।

'जी राम जी' कानून को रद्द कराना हमारी पार्टी का लक्ष्य है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नए 'विकसित भारत - जी राम जी' कानून को रद्द करवाना उनकी पार्टी का लक्ष्य है। गांधीजी का नाम नई ग्रामीण रोजगार योजना से हटाए जाने पर स्टालिन ने भाजपा नीत केंद्र सरकार को ''जनविरोधी'' करार दिया। यहां नहर सुधार कार्यों सहित नई पहलों की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां उनकी सरकार जन-केंद्रित कार्यों से जनता की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है, वहीं केंद्र सरकार इसके विपरीत ''जनविरोधी शासन'' चला रही है।

द्रमुक अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने अब जानबूझकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को पंगु बना दिया है, जो ग्रामीण भारत की जीवनरेखा थी और लाखों गरीबों को गरीबी से उबार चुकी थी।

स्टालिन ने कहा, ''उन्होंने महात्मा गांधी का नाम हटा दिया है, जो विश्व स्तर पर भारत की पहचान हैं, और उनकी जगह एक ऐसा हिंदी नाम रख दिया है जिसे काफी लोग नहीं समझते हैं।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''भाजपा को धर्मनिरपेक्षता और एकता जैसे शब्द नापसंद हैं। यही कारण है कि वे गांधी जी को भी नापसंद करते हैं, जिन्होंने अपने पूरे जीवन में इन सिद्धांतों पर जोर दिया।''

माघी उत्सव

कर्नाटक के मैसूरु में रविवार, 21 दिसंबर 2025 को मैसूरु पैलेस परिसर में आयोजित शीतकालीन फूल प्रदर्शनी 'माघी उत्सव' के दौरान मौजूद लोग।

'विकसित भारत जी राम जी' योजना मनरेगा से एक कदम आगे है : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को आरोप लगाया कि 'विकसित भारत जी राम जी' विधेयक के बारे में गलत सूचना फैलाई जा रही है जबकि यह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से एक कदम आगे की योजना है। एक पोस्ट में मंत्री ने कहा कि ग्रामीण रोजगार के लिए पर्याप्त धनराशि सुनिश्चित करने के लिए 'विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण' (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत 1,51,282 करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया जाएगा।

चौहान ने कहा, ''देश को गुमराह करने की साजिश रची जा रही है और गलत सूचना फैलाई जा रही है, जबकि सच्चाई यह है कि वीबी-जी राम जी योजना मनरेगा से एक कदम आगे है।'' मंत्री की यह पोस्ट उसी दिन आई जब विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। चौहान ने घोषणा की कि नई योजना में पहले के 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के काम की गारंटी दी गई है। इसके अलावा, बेरोजगारी भत्ते के प्रावधानों को मजबूत किया गया है और विलंबित मजदूरी भुगतान पर मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इस योजना के लिए 1,51,282 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया है, ताकि रोजगार सृजन के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध हो और गांवों का विकास किया जा सके।'' उन्होंने कहा, ''इसमें 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देने के अलावा, यह सुनिश्चित करने का भी प्रावधान है कि कृषि के मौसम के दौरान छोटे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

विवाह समारोह

रविवार, 21 दिसंबर 2025 को सूरत में पीपी सवानी ग्रुप द्वारा 'कोयलड़ी' (लवली डॉटर) कार्यक्रम के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में विभिन्न समुदायोंजिसमें मुस्लिम और ईसाई भी शामिल हैंकी 133 अनाथ बेटियों के विवाह के दौरान दूल्हा-दुल्हन।

अशांति और बांग्लादेश से घुसपैठ का पश्चिम बंगाल पर असर पड़ रहा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि अशांति और बांग्लादेश से घुसपैठ का पश्चिम बंगाल पर असर पड़ रहा है और उन्होंने जोर देकर कहा कि इन मुद्दों को केंद्र सरकार को ही उठाना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के राज्य में 'बढ़ते इस्लामी कट्टरवाद' से संबंधित प्रश्न के उत्तर में भगवत ने कहा, ''यह सरकार को तय करना है कि बांग्लादेश से भारत में किसे आने दिया जाए। इस पर नियंत्रण होना चाहिए कि किसे आने की अनुमति दी जाएगी।''

वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। पड़ोसी देश में हिंदुओं को अल्पसंख्यक बताते हुए उन्होंने कहा, ''उन्हें खुद की अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एकजुट रहना होगा।''

- अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो राज्य की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा।
- आरएसएस का ध्यान सामाजिक परिवर्तन पर है, न कि राजनीतिक परिवर्तन पर।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''हम लोगों समेत दुनिया भर के सभी हिंदुओं को उनकी मदद करनी होगी।'' उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा। भागवत ने कहा, ''हो सकता है कि वे पहले से ही कुछ कर रहे हों, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता।'' पश्चिम बंगाल के बारे में उन्होंने कहा, ''अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो राज्य की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस का ध्यान सामाजिक परिवर्तन पर है, न कि राजनीतिक परिवर्तन पर।

धार्मिक विवादों पर टिप्पणी करते हुए भागवत ने अयोध्या मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, ''अदालतों ने लंबी सुनवाई के बाद राम मंदिर और बाबरी मस्जिद विवाद का फैसला सुना दिया है, जिससे मामला समाप्त हो गया है। अब बाबरी मस्जिद का दोबारा निर्माण करने की कोशिश वोटों के लिए संघर्ष को फिर से शुरू करने की एक राजनीतिक साजिश है।''

वे मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में मस्जिद बनाने की टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की घोषणा पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

भागवत ने कहा, ''यह न तो मुसलमानों के हित में है और न ही हिंदुओं के हित में। ऐसा नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन धर्म कायम रहता है। इसलिए किसी भी सरकार को किसी भी धार्मिक इमारत के निर्माण में शामिल नहीं होना चाहिए।

215 किमी से अधिक की रेल यात्रा पर किराया बढ़ा

नई दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट में प्रति किलोमीटर एक पैसा और मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गैर-वातानुकूलित श्रेणी व सभी ट्रेन की वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति किलोमीटर दो पैसे की वृद्धि की जाएगी।

नई दरें 26 दिसंबर 2025 से प्रभावी होंगी। अधिकारियों ने कहा, उपनगरीय रेलगाड़ियों के मासिक सीजन टिकट और अन्य ट्रेन में 215 किलोमीटर तक की साधारण श्रेणी की यात्रा के किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि किराए में इस बढ़ोतरी से रेलवे को 31 मार्च 2026 तक करीब 600 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है।

रेल मंत्रालय के अनुसार, जुलाई 2025 में की गई किराया वृद्धि से अब तक लगभग 700 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

यूक्रेन को लेकर अमेरिकी शांति योजना पर बातचीत आगे बढ़ रही : रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मियामी/एपी। रूस के एक दूत ने कहा है कि यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रस्तावित शांति वार्ता फ्लोरिडा में ''रचनात्मक'' रूप से आगे बढ़ रही है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि संबंधित पक्ष वार्ता में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

यह बातचीत ट्रंप प्रशासन द्वारा महीनों से किये जा रहे शांति प्रयासों का हिस्सा है, जिनमें इस सप्ताह के आरंभ में बर्लिन में यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ बैठकें भी शामिल हैं।

रूसी सरकारी समाचार एजेंसी 'आरआईए नोवोस्ती' के अनुसार, रूसी दूत किरिल दिमित्रीव ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ''चर्चाएं रचनात्मक रूप से आगे बढ़ रही हैं। ये आज जारी हैं, और कल भी जारी रहेंगी।''

खबर के अनुसार, दिमित्रीव ने मियामी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से मुलाकात की।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रविवार को टेलीग्राम पर लिखा कि राजनयिक प्रयास ''काफी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और फ्लोरिडा में हमारी टीम अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ काम कर रही है।''

इससे पहले, शुक्रवार को यूक्रेन के प्रमुख वार्ताकार ने कहा कि अमेरिका में उनका प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी और यूरोपीय पक्षकारों के साथ अलग-अलग बैठकें पूरी कर चुका है।

ट्रंप ने युद्ध को समाप्त कराने के लिए व्यापक राजनयिक प्रयास शुरू किए हैं, लेकिन उनके प्रयासों को रूस और यूक्रेन की ओर से परस्पर विरोधी मांगों का सामना करना पड़ा है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल में संकेत दिया कि वह यूक्रेन पर अपनी मांगों से डिगने वाले नहीं हैं, क्योंकि भारी नुकसान के बावजूद रूस की सेनाएं युद्ध के मैदान में क्रमिक रूप से आगे बढ़ रही हैं।

शुक्रवार को पुतिन ने विश्वास व्यक्त किया था कि यदि यूक्रेन शांति वार्ता में रूस की शर्तों को नहीं मानता है तो रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन अपने सैन्य लक्ष्यों को प्राप्त कर लेगा।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के साथ बातचीत करने की पुतिन की इच्छा का स्वागत किया और कहा कि वह 'आने वाले दिनों में' आगे की प्रक्रिया तय करेगा।

इससे पहले खबर आयी थी कि पुतिन परस्पर राजनीतिक इच्छा होने पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं।

मैक्रों के कार्यालय ने कहा है कि किसी भी बातचीत का उद्देश्य 'राष्ट्रपति जेलेंस्की और हमारे यूरोपीय भागीदारों के साथ पूरी पारदर्शिता के साथ यूक्रेन और यूरोप के लिए एक ठोस व स्थायी शांति में योगदान देना' होगा।

मुख्यमंत्री ने 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य सरकार ने हर क्षेत्र और हर वर्ग के उत्थान के लिए निर्णय लिए हैं। विशेषकर युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहने तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा। शर्मा राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को 'रन फॉर विकसित राजस्थान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अमर जवान ज्योति से 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए पेपरलीक के अनेक प्रकरण हुए थे जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां दी जाएं। इसी क्रम में राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में अब तक 92 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की हैं तथा 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।

साथ ही, इस माह भी लगभग 20 हजार पदों पर युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। राज्य सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दे रही है, जिससे वे अब रोजगार प्रदाता भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जब एक वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था, तब अपने कार्यों का रिकॉर्ड लेकर जनता के बीच गए थे तथा अब भी राज्य सरकार के दो साल पूरे होने पर हम अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के सामने जा रहे है। गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक विकास कार्यों की जानकारी पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य किया है। हमने प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दो वर्ष में हर क्षेत्र में काम किया हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर मिले हैं। हमारी सरकार राज्य को भारत में अग्रणी स्टेट बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इससे पहले शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पदक विजेताओं का सम्मान भी किया। इस दौरान विधायक कुलदीप, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल नीरज के. पवन सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे।

राजस्थान की राजनीति में 'नेता गढ़ने' की परंपरा पर सवाल

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आज राजस्थान कांग्रेस में 'हुजूरिया संस्कृति' हावी है। नेता अपने आकाओं को खुश रखने में अधिक विश्वास रखते हैं और जरा सी असहमति या कथित कमी पर उन्हें किनारे कर दिया जाता है।

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में नेताओं को गढ़ने की वह परंपरा, जो पूर्व मुख्यमंत्री द्वय हरिदेव जोशी और मोहनलाल सुखाड़िया के दौर में दिखाई देती थी, अब लगभग समाप्त होती नजर आ रही है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि आज बड़े नेता संगठन से अधिक अपने प्रति वफादार 'यस-मैन' तैयार करने पर जोर दे रहे हैं, जिससे मजबूत और स्वतंत्र नेतृत्व उभर नहीं पा रहा। प्रदेश कांग्रेस में मोहनलाल सुखाड़िया, हरिदेव जोशी और परसराम मदेरणा जैसे दिग्गज नेता ऐसे रहे, जिनके सान्निध्य में रहकर कई कार्यकर्ता आगे चलकर बड़े नेता बने। इनमें पं. नवल किशोर शर्मा, चंदनमल वैद, हीरालाल देवपुरा, शीशराम ओला और रामदेव सिंह महरिया जैसे नाम शामिल हैं। इन नेताओं की पहचान पद से अधिक उनकी कार्यशैली और जनाधार से रही, जिसके चलते वे सत्ता में हों या विपक्ष में, हर दौर में प्रभावशाली बने रहे।

वर्तमान राजनीति को लेकर यह बहस भी तेज है कि अशोक गहलोत और गोविंद सिंह डोटासरा की तुलना में सचिन पायलट के नेतृत्व में 'नेताओं की खरपतवार' अधिक बढ़ी। हालांकि, सच्चाई यह भी मानी जा रही है कि उनके समर्थक कई मंत्री और विधायक तो बने, लेकिन वे लंबे समय तक सियासी पटल पर दमदार मौजूदगी दर्ज नहीं करा सके। ऐसे नेता पद रहते ही चमकते दिखे, लेकिन पद छूटते ही उनकी राजनीतिक चमक फीकी पड़ गई।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आज राजस्थान कांग्रेस में 'हुजूरिया संस्कृति' हावी है। नेता अपने आकाओं को खुश रखने में अधिक विश्वास रखते हैं और जरा सी असहमति या कथित कमी पर उन्हें किनारे कर दिया जाता है। यही वजह है कि मंत्री और विधायक बनने के बावजूद कई नेता अपने-अपने जिलों में भी सर्वमान्य नेतृत्व स्थापित नहीं कर पाए। इन हालातों के बीच यह भी कहा जा रहा है कि वर्तमान समय में हनुमान बेनीवाल और रविंद्र भाटी जैसे नेता ऐसे उदाहरण हैं, जिन्होंने बिना किसी बड़े राजनीतिक संरक्षक के सीधे जनसमर्थन के बल पर अपनी पहचान बनाई है। यही जनाधार उन्हें वास्तविक अर्थों में 'नेता' कहलाने का अधिकार देता है।

विद्यार्थी सदा सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलें, शिक्षा से ही गरीबी का अंत संभव : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्राचीन काल में गुरु और शिष्य परिवार के सदस्य होते थे जिससे छात्र का सतत मूल्यांकन संभव होता था। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सदा सत्य के मार्ग पर चले, धर्म का पालन करें और मानवता की भलाई के लिए कार्य करें। बागड़े ने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। परिवार में जब कोई व्यक्ति पढ़-लिखकर नौकरी हासिल करता है तो उसकी पूरी पीढ़ी का भविष्य संवर जाता है। इस दिशा में वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। गरीबी केवल शिक्षा से ही दूर हो सकती है, इसके लिए समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। राज्यपाल बागड़े रविवार को उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में विभिन्न संकायों के 255 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री तथा 109 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागड़े द्वारा प्रदान किए गए। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि मेवाड़ का इतिहास शूरवीरों, मर्यादा और श्रेष्ठ संस्कारों का इतिहास है। शिक्षा में जीवन के विभिन्न आयामों और संस्कारों का समावेश होना चाहिए, तभी अच्छे नागरिक तैयार होंगे। बच्चों की शारीरिक एवं बौद्धिक क्षमता का विकास करना शिक्षा का मूल उद्देश्य है। विश्वविद्यालयों को देश-दुनिया की टॉप रैंकिंग में लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

समारोह में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने दीक्षान्त संबोधन में कहा कि यह केवल डिग्री वितरण का अवसर नहीं है बल्कि एक विद्यार्थी के निर्माण में अध्यापक, अभिभावक और संस्थान का सामूहिक समर्पण होता है। गुरु की कृपा से ही व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ता है और जब तक धरती पर मानव रहेगा, गुरु का सम्मान बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस समारोह में सर्वाधिक स्वर्ण पदक और पीएचडी बालिकाओं को मिली हैं, जो इस बात का संकेत है कि हमारा समाज सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दीक्षान्त समारोह में उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। सरकार के स्तर पर मजबूती के साथ नीतिगत निर्णय लिए जा रहे हैं और साधनों के अभाव की पूर्ति के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। शिक्षा जगत में मात्रात्मक सुधार के साथ-साथ गुणात्मक वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है।

राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग जिला मुख्यालयों पर आयोजित करेगा जनसंवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग 22 दिसंबर से 3 जनवरी तक विभिन्न जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन करेगा। आयोग के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेनि.) मदनलाल भाटी दिसंबर माह में 22 को जैसलमेर और फलौदी, 23 को बाड़मेर और बालोतरा,24 को जालौर और सिरोही, 29 को गंगानगर और हनुमानगढ़, 30 को पाली में एवं आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेनि.) मदनलाल भाटी एवं सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा संयुक्त रूप से 26 को डीडवाना - कुचामन-नागौर और 31 दिसम्बर को ब्यावर और भीलवाडा में जनसंवाद करेंगे।

जारी कार्यक्रम के अनुसार आयोग के सदस्य प्रो. राजीव सक्सेना एवं सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 22 को दौसा और डीग, 23 को धौलपुर व करौली में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल, पवन मंडाविया संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 22 को चित्तोडगढ़ और राजसमंद, 23 को प्रतापगढ और बांसवाडा, 24 को डूंगरपुर और संलुम्बर में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल दिसंबर माह में 26 को टोंक व सवाई माधोपुर में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा और पवन मंडाविया संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 29 को झून्झूनू और चुरू एवं 30 को सीकर व कोटपूतली-बहरोड़ में जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे। आयोग के सदस्य प्रो. राजीव सक्सेना एवं मोहन मोरवाल संयुक्त रूप से में 30 दिसंबर को अलवर-खैरथल, 2 जनवरी को झालावाड़ व 3 जनवरी को बांरा-बूंदी में जनसंवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे।

'रन फॉर विकसित राजस्थान' एवं 'संडे ऑन साइकिल' में युवाओं ने दिखाया उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत दौसा जिला मुख्यालय पर रविवार सुबह 'रन फॉर विकसित राजस्थान' एवं 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया। राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं फिट राजस्थान के लिए आयोजित 'रन फॉर विकसित राजस्थान' एवं 'संडे ऑन साइकिल' को जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा एवं लक्ष्मी रेला ने हरी झंडी दिखाकर कलक्ट्रेट से रवाना किया। प्रतिभागी वहां से सोमनाथ सर्किल होते हुए पं. नवल किशोर शर्मा राजकीय पीजी कॉलेज पहुंचे, जहां दौड़ और साइकिल यात्रा का समापन हुआ।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर वादकों ने 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा...' धुन का वादन किया। प्रतिभागियों ने हाथों में 'नव उत्थान नई पहचान, हमारा राजस्थान बढ़ता राजस्थान' का बैनर लेकर उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लिया। इस दौरान घुड़सवारों ने दौड़ का नेतृत्व किया। साइकिल रैली भी दौड़ में शामिल हुई, जिसमें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी साइकिल चलाकर स्वस्थ एवं फिट रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा, जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार शर्मा, जिला युवा अधिकारी पूनम कुमारी, विपिन जैन सहित बड़ी संख्या में युवा, स्काउट, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शारीरिक शिक्षक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी दौड़ में शामिल हुए। दौड़ के सफल आयोजन में विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संगठनों, पुलिस प्रशासन एवं नगर निकाय का विशेष सहयोग रहा। स्वीप प्रभारी रामवीर सिंह चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

संसद को राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बना रहा विपक्ष : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एकबार फिर विपक्ष पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष संसद को चर्चा के मंच के बजाय राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बनाने का प्रयास करता रहा है। कागज फाड़ना, नारेबाजी करना और सदन की कार्यवाही को बाधित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। रविवार सुबह गृह जनपद पहुंचे शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जहां तक कुछ विषयों पर हो रहे विरोध की बात है तो मुझे लगता है कि आज देश में कहीं न कहीं विरोध को एक आदत बना लिया गया है। कुछ लोग बिना विषय को समझे, बिना उसके पीछे के उद्देश्य को जाने, केवल विरोध करने के लिए विरोध कर रहे हैं। विशेष रूप से उन सुधारात्मक कदमों का विरोध किया जा रहा है, जो लोकतंत्र की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। शेखावत ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा संविधान के तहत जो दायित्व निभाए जा रहे हैं, उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। इसके लिए आवश्यक निर्णय लेना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है। दुर्भाग्य से कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि उन्हें स्वयं यह स्पष्ट नहीं है कि वे विरोध क्यों कर रहे हैं? कुछ स्थानों पर ऐसे तत्व भी हो सकते हैं, जिन्हें अवैध या अनुचित रूप से मतदाता सूची में शामिल नामों से राजनीतिक लाभ मिलता रहा हो और वही लोग अब इन सुधारों का विरोध कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह भी एक विडंबना है कि जो लोग कुछ समय पहले स्वयं इन सुधारों की मांग कर रहे थे, वही आज भ्रमित मनःस्थिति में उनका विरोध कर रहे हैं। यह एक प्रकार से भ्रमग्रस्त मानसिकता का संकट है। सरकार और संवैधानिक संस्थाएं अपना कार्य पूरी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ कर रही हैं और आगे भी करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि संसद में जनता अपने प्रतिनिधियों को सेवा और विमर्श के लिए भेजती है।

शेखावत ने कहा कि संसद वह स्थान है, जहां चर्चा होनी चाहिए, विचार-विमर्श होना चाहिए, सरकार की नीतियों और निर्णयों की समीक्षा होनी चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि योजनाएं धरातल पर कैसे उतरी हैं और उन्हें और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है? हालांकि, यह उनका अधिकार है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है।

जनता यह भी समझती है कि कौन संवाद और समाधान की राजनीति करना चाहता है और कौन केवल अवरोध और भ्रम की राजनीति? समय आने पर जनता अपने विवेक के अनुसार निर्णय भी करती है। सेरेंडिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के गोवा में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव 'सेरेंडिपिटी' से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि कला और संस्कृति आधारित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिला। वहां की कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों ने मुझे भीतर तक प्रभावित किया।

विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका : गर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जालोर जिले में आयोजित किया जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को रन फॉर विकसित राजस्थान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुई दौड़ प्रतियोगिता को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तत्पश्चात दौड़ के प्रतिभागी कलेक्ट्रेट रोड, शिवाजी नगर, आहोर चौराहा से लगभग 2 किलोमीटर का सफर तय करते हुए समापन स्थल शाह पुंजाजी गेनाजी खेल स्टेडियम पहुंचे।

इस अवसर पर जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा विभिन्न खेलों के माध्यम से जिले के युवा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर ज़िले का नाम रोशन कर रहे हैं। जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के इमरान ने बताया कि विकसित राजस्थान कार्यक्रम के तहत संपन्न हुई दौड़ में बालक वर्ग में आर्यवीर दल हनुमान व्यायामशाला के भावेश प्रथम, सागर द्वितीय तथा वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स अकादमी के अनिल चौधरी तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स अकादमी की निशा चौधरी प्रथम और डिंपल तृतीय स्थान पर रही।

चेन्नई रेलवे स्टेशन पर काशी के 300 छात्रों का स्वागत

राज्यपाल आरएन रवि ने आईआईटी मद्रास में छात्रों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। काशी तमिल संगमम 4.0 पहल के तहत, काशी से लगभग 300 छात्र रविवार को दक्षिण भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक केंद्र चेन्नई पहुंचे। चेन्नई रेलवे स्टेशन पर छात्रों का गर्मजोशी से और पारंपरिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर आईआईटी मद्रास के संकाय सदस्य, अधिकारी और जन प्रतिनिधि प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए उपस्थित थे।

उन्होंने छात्रों का स्वागत किया और सांस्कृतिक एकता, आपसी समझ और सहयोग की भावना पर प्रकाश डाला, जिसे यह पहल दोनों राज्यों के बीच मजबूत करना चाहती है।

चेन्नई पहुंचने पर वाराणसी के छात्रों का स्वागत आईआईटी मद्रास के अधिकारियों ने किया। इस दौरान तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने छात्रों से बातचीत की और काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों के बारे में बताया। उन्होंने ऐसे सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया।

यह पहली बार है कि काशी से छात्रों का इतना बड़ा समूह दक्षिण भारत की यात्रा पर निकला है। इस शैक्षिक और सांस्कृतिक दौरे के दौरान, छात्र तमिल भाषा, साहित्य, संस्कृति, परंपराओं और शिक्षा प्रणाली का गहन अध्ययन करेंगे। उन्हें दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों, ऐतिहासिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों का दौरा करने और उनके बारे में जानने का अवसर भी मिलेगा।

छात्रों को संबोधित करते हुए, आईआईटी मद्रास के अधिकारियों ने कहा कि काशी और तमिलनाडु दोनों ही भारत की प्राचीन सभ्यताओं के प्रमुख केंद्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएँ न केवल भाषा और संस्कृति की समझ को बढ़ावा देती हैं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को भी मजबूत करती हैं। छात्रों ने इस यात्रा को लेकर काफी उत्साह दिखाया। चेन्नई रेलवे स्टेशन पर मिले पारंपरिक स्वागत ने उनके उत्साह को और भी बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि हरी-भरी हरियाली, मंदिरों की भव्यता और क्षेत्र की भाषा एवं संस्कृति के बारे में जानने का अवसर मिलने से यह अनुभव बिल्कुल नया और यादगार बन गया। इन 300 छात्रों को 10 समूहों में विभाजित किया गया है। 10 दिनों की अवधि में, वे तमिल भाषा सीखेंगे, विभिन्न विश्वविद्यालयों में ठहरेंगे और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करेंगे। कार्यक्रम का समापन रामेश्वरम की यात्रा के साथ होगा।

बीएचयू के संस्कृत छात्र न्यूटन ने कहा कि यह यात्रा सभी प्रतिभागियों के लिए एक शानदार सीखने का अनुभव रही है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण भारत की संस्कृति, मंदिरों और तमिल भाषा को करीब से समझने का अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने काशी और तमिलनाडु के संगम को सचमुच अविस्मरणीय बताया। पीएचडी छात्र बादल ने कहा कि काशी तमिल संगमम विविधता में एकता का सच्चा अनुभव प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की शिक्षा प्रणाली, भाषा और परंपराएं एक नया दृष्टिकोण प्रदान कर रही हैं, और यह यात्रा उनके शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी। कुल मिलाकर, काशी से चेन्नई तक छात्रों की यह यात्रा न केवल सीखने का एक अवसर है, बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

इसरो के एलवीएम3 मिशन के तहत 24 दिसंबर को प्रक्षेपित किया जाएगा अगली पीढ़ी का संचार उपग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आगामी 'एलवीएम3 एम6 मिशन' के तहत 24 दिसंबर को 'ब्लू बर्ड ब्लॉक-2' उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया जाएगा। यह मिशन अमेरिका में स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के साथ हुए वाणिज्यिक समझौते का हिस्सा है। इस ऐतिहासिक मिशन के तहत अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह को तैनात किया जाएगा, जिसे दुनिया भर में सीधे स्मार्टफोन तक हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

एएसटी स्पेसमोबाइल (एएसटी एंड साइंस, एलएलसी) पहला और एकमात्र अंतरिक्ष-आधारित सेलुलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित कर रहा है, जो सीधे स्मार्टफोन के माध्यम से सुलभ है और वाणिज्यिक व सरकारी दोनों अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, हम आज लगभग छह अरब मोबाइल उपभोक्ताओं को हो रही 'कनेक्टिविटी' की समस्या को दूर करने और उन अरबों लोगों तक ब्रॉडबैंड सुविधा पहुंचाने के मिशन पर हैं जो अब भी इंटरनेट से जुड़े नहीं हैं।

एएसटी स्पेसमोबाइल ने सितंबर 2024 में पांच उपग्रह 'ब्लू बर्ड 1-5' लॉन्च किए थे, जो अमेरिका और कुछ अन्य चुनिंदा देशों में निरंतर इंटरनेट कवरेज को सक्षम बनाते हैं। अमेरिका में स्थित इस कंपनी ने अपने नेटवर्क सपोर्ट को और मजबूत करने के लिए इसी तरह के और उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है तथा इसके लिए दुनिया भर के 50 से अधिक मोबाइल ऑपरेटर के साथ साझेदारी की है। आगामी मिशन के तहत, एएसटी स्पेसमोबाइल अपने अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को लॉन्च करने की योजना बना रहा है, जिसे 24 घंटे दुनिया भर में सीधे स्मार्टफोन तक हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसरो के अनुसार, यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और एएसटी स्पेसमोबाइल (एएसटी एंड साइंस, एलएलसी) के बीच हुए समझौते के तहत एक समर्पित वाणिज्यिक प्रक्षेपण होगा। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड, बेंगलूरु में स्थित इसरो की वाणिज्यिक शाखा है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 मिशन वैश्विक लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में उपग्रहों के समूह का हिस्सा है जिसका उद्देश्य उपग्रह के माध्यम से सीधे मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

स्कूलों को 'सांप्रदायिक प्रयोगशालाओं' में बदलने नहीं दिया जाएगा : केरल सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने रविवार को उन खबरों की कड़ी निंदा की, जिनमें दावा किया गया था कि कुछ निजी स्कूल प्रबंधनों ने क्रिसमस समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं और छात्रों से इस कार्यक्रम के लिए एकत्र की गई धनराशि वापस कर दी। राज्य सरकार ने यह भी चेतावनी दी कि स्कूलों को ''सांप्रदायिक प्रयोगशालाओं'' में बदलने नहीं दिया जाएगा। माकपा के मुखपत्र देशाभिमानी' ने एक समाचार प्रकाशित किया, जिसमें दावा किया गया है कि संघ परिवार द्वारा संचालित कुछ स्कूलों और हिंदू प्रबंधन द्वारा संचालित एक निजी स्कूल ने क्रिसमस समारोह पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उक्त स्कूल प्रबंधन ने इसका खंडन किया है।

सरकार ने कहा कि केरल जैसे राज्य में ऐसी चीज पहले कभी नहीं देखी गई है, जहां लोकतांत्रिक चेतना का स्तर उच्च है और धर्मनिरपेक्ष परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। उसने कहा कि मामले की ''तत्काल जांच'' के आदेश दिए गए हैं। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने यहां पत्रकारों से कहा, धर्म या आस्था के आधार पर लोगों को बांटने वाले उत्तर भारतीय मॉडल' को केरल के शिक्षा संस्थानों में लागू करने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल ऐसे स्थान हैं जहां बच्चे जाति और धर्म से परे जाकर एक साथ सीखते एवं बड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के बीच विभाजनकारी विचार के प्रसार का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है।

मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को इस मामले की तत्काल जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। संपर्क करने पर, आरएसएस के एक पदाधिकारी ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''ऐसा निर्णय लेने की कोई संभावना नहीं है। हम किसी भी प्रकार के सांस्कृतिक समारोहों के खिलाफ नहीं हैं।''

इस बीच, समाचार रिपोर्ट में उल्लेखित हिंदू प्रबंधन स्कूल के अधिकारियों ने भी स्पष्ट किया कि उनके संस्थान में क्रिसमस समारोह पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रबंधन ने कहा, भोजन विषाक्तता की आशंकाओं को देखते हुए, उत्सव के दौरान केक काटने पर प्रतिबंध लगाया गया है। लेकिन क्रिसमस समारोह आयोजित किए जाएंगे।

'संडेज ऑन साइकिल' ने युवाओं और समाज की सोच को बदल दिया है: केंद्रीय मंत्री मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्रीय युवा एवं खेल मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि 'संडेज ऑन साइकिल' ने युवाओं की मानसिकता को बदल दिया है और फिटनेस के प्रति समाज में नयी सोच पैदा हुई है। यहां बीच रोड पर 'संडे ऑन साइकिल' अभियान की वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित साइकिल रैली की शुरुआत करते केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो पहल एक साल पहले दिल्ली में एक स्थानीय प्रयोग के रूप में शुरू हुई थी, वह अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन गई है।

उन्होंने कहा कि दिसंबर 2024 में शुरू हुए इस अभियान के तहत अब हर रविवार को एक लाख से ज्यादा लोग साइकिल चलाते हैं और यह %00 से अधिक जिलों में जारी है। मांडविया ने कहा, पुरुष, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, पुलिस और रक्षा कर्मी, शिक्षक, किसान, डिलीवरी कर्मचारी, कॉरपोरेट कर्मी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग एक साथ आकर साइकिल चला रहे हैं। मंत्री के अनुसार, 'संडेज ऑन साइकिल' आंदोलन ने युवाओं और समाज की मानसिकता को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि फिटनेस अब केवल एक व्यक्तिगत गतिविधि नहीं रही, बल्कि यह एक सामूहिक गतिविधि बन गई है।

वेणुगोपाल ने प्रवासी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या किये जाने की घटना की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़/भाषा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने रविवार को छत्तीसगढ़ निवासी की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या किये जाने की घटना की निंदा की और केरल की वामपंथी सरकार पर भय फैलाने वाले दुष्प्रचार के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

वेणुगोपाल ने केरल सरकार से पीड़ित परिवार को तत्काल व पर्याप्त मुआवजा देने, उसके शव को सम्मानजनक तरीके से ले जाने की व्यवस्था करने और सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दुख की इस घड़ी में हम परिवार के साथ खड़े हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पलक्कड़ में छत्तीसगढ़ के मूल निवासी रामनारायण भायर की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या करना 'बेहद भयावह' है। उन्होंने कहा, यह कतई अस्वीकार्य है कि ऐसी हिंसक ताकतें सत्ता पर हावी हो जाएं और मनमानी करें। अलप्पुझा से सांसद ने केरल में 2018 में मधु नाम के एक आदिवासी युवक की पीट-पीटकर हत्या की घटना को याद करते हुए कहा, यह बेहद दुखद है कि केरल जैसे सांप्रदायिक सद्भाव के समृद्ध इतिहास वाले समाज में भीड़ हिंसा की बार-बार घटनाएं देखने को मिल रही हैं। वेणुगोपाल ने कहा, केरल सरकार ने भय फैलाने वाले दुष्प्रचार और अनियंत्रित अफवाहों को रोकने में घोर लापरवाही बरती है। उन्हें समय पर कार्रवाई न करने और राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल रहने के लिए जवाब देना होगा।

छत्तीसगढ़ के रहने वाले रामनारायण की बुधवार शाम को वालयार के पास किझाकेट्टप्पलम में चोरी के आरोप में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मनरेगा से गांधी का नाम हटाना महात्मा की 'दूसरी हत्या' है : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना महात्मा गांधी की ''दूसरी हत्या'' है। उन्होंने कहा कि पूर्व ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना बहाल होने तक कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। पूर्व वित्त मंत्री ने यहां एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा, ''पार्टी घर-घर जाकर, गांव-गांव जाकर इस धोखाधड़ी का पर्दाफाश करेगी और यह अधिनियम निरस्त होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।''

विपक्ष के विरोध के बीच 18 दिसंबर को संसद ने वीबी-जी राम जी विधेयक, 2025 को पारित किया था। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने रविवार को इस विधेयक को मंजूरी दे दी। इस विधेयक का उद्देश्य 20 साल पुराने 'ग्रामीण रोजगार कानून मनरेगा' को प्रतिस्थापित करना है और प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वित्त वर्ष 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित करना है। चिदंबरम ने कहा, ''मेरे अनुसार, यह महात्मा गांधी की दूसरी हत्या है। उनकी हत्या 30 जनवरी, 1948 को हुई थी। उन्होंने महात्मा गांधी को फिर से मार डाला है - उन्होंने उनकी स्मृति को मिटाया है।''

उन्होंने कहा, ''आप गांधी और नेहरू को आधिकारिक अभिलेखों से मिटाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे भारत की जनता की गहरी चेतना में बुद्ध या यीशु की तरह जीवित हैं। कोई भी सरकारी आदेश उन्हें मिटा नहीं सकता।'' चिदंबरम ने कहा कि केंद्र द्वारा किए गए बदलावों ने मांग आधारित अधिकार को ''विवेकाधीन योजना'' में बदल दिया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों को रोजगार की गारंटी से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''मूल कानून के तहत, यदि कोई व्यक्ति काम की मांग करता था, तो सरकार उसे उपलब्ध कराने के लिए कानूनी रूप से बाध्य थी। अब, लोग तभी काम मांग सकते हैं जब सरकार पहले उन्हें काम की पेशकश करे।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने नए विधेयकों के शीर्षक के लिए सरकार द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे नामों पर भी सवाल उठाया, जिन्हें उन्होंने अंग्रेजी अक्षरों में लिखे ''हिंदी शब्द'' बताया। चिदंबरम ने कहा कि 'विकसित भारत - जी राम जी' जैसे नाम दक्षिण भारत के ग्रामीण इलाकों के लोगों के लिए भ्रामक और समझने में मुश्किल हैं।'' उन्होंने कहा, ''शायद मंत्रियों को भी इन नामों का मतलब समझ में न आए। कानून कहता है कि जब तक राज्य इस नाम का इस्तेमाल नहीं करेंगे, उन्हें धनराशि नहीं मिलेगी।'' चिदंबरम ने दावा किया कि यह योजना जो कभी सार्वभौमिक थी अब केंद्र द्वारा चुने गए ''जिलों'' तक ही सीमित रहेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि मनरेगा के मूल ढांचे के विपरीत, जो हर ग्रामीण जिले तक फैला हुआ था, नया कानून अब राष्ट्रीय स्तर का नहीं है और इसमें शहरी या नगर पंचायत क्षेत्र शामिल नहीं होंगे। वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि वित्तपोषण की जिम्मेदारी राज्यों पर डाली जा रही है क्योंकि पहले केंद्र सरकार मजदूरी का पूरा भुगतान और सामग्री खर्च का 75 प्रतिशत वहन करती थी। उन्होंने कहा कि ''नई नीति में एक मानक'' तय कर दिया गया है, जिसके बाद राज्यों को अपनी ''आर्थिक क्षमता'' के आधार पर योगदान देना होगा।

पीएमके संस्थापक रामदास ने नेतृत्व विवाद के बीच पार्टी की विशेष बैठक बुलाई

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक एस. रामदास ने अपने बेटे अंबुमणि के साथ नेतृत्व को लेकर जारी संघर्ष के बीच रविवार को घोषणा की कि पार्टी की कार्यकारी समिति और आम परिषद की एक विशेष बैठक 29 दिसंबर को सेलम में आयोजित की जाएगी। अंबुमणि हालांकि लगातार खुद को पार्टी प्रमुख बताते रहे हैं, रामदास ने कहा कि आगामी बैठक में पार्टी पदाधिकारी पार्टी की प्रगति और कार्य योजनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे।

पार्टी कार्यकर्ता 2026 के विधानसभा चुनाव संबंधी संभावित गठबंधन पर फैसले को लेकर अटकलें लगा रहे हैं। इसी बीच रामदास ने यहां जारी एक बयान में कहा, पार्टी विधानसभा चुनाव पर चर्चा करेगी। अगले साल प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर रामदास और अंबुमणि के 'अलग होने' की अटकलों के बीच पीएमके संस्थापक ने बताया कि कार्यकारी समिति की बैठक 29 दिसंबर को पूर्वाह्न 10 बजे से साढ़े 11 बजे तक सेलम में होगी। इसके बाद आम परिषद की बैठक निर्वाचन आयोग की बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद आयोजित की जाएगी।

शबरीमला में 27 दिसंबर को होगी मंडला पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शबरीमला/भाषा। केरल स्थित शबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर में 27 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 10 मिनट से पूर्वाह्न 11.30 बजे के बीच मंडला पूजा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के मुख्य पुजारी कंडारारू महेश मोहनारू ने यहां यह जानकारी दी। पुजारी ने बताया कि पूजा से जुड़ी दीपाराधना (आरती) पूर्वाह्न 11:30 बजे संपन्न होगी। उन्होंने कहा कि भगवान अयप्पा को पहनाई जाने वाली 'स्वर्ण अंकी' (पवित्र सोने की पोशाक) शोभायात्रा के दौरान शबरिमला में लाई जाएगी।

पुजारी ने बताया कि यह शोभायात्रा 23 दिसंबर को सुबह सात बजे अरनमुला पार्थसारथी मंदिर से शुरू होगी और 26 दिसंबर की शाम को दीपाराधना से पहले स्वर्ण अंकी के शबरीमला सन्निधानम पहुंचने की उम्मीद है। भगवान की मूर्ति को स्वर्ण अंकी पहनाने के बाद शाम 6:30 बजे दीपाराधना (आरती) की जाएगी। मुख्य पुजारी ने बताया कि 27 दिसंबर को दोपहर के समय मूर्ति को 'स्वर्ण अंकी' पहनाने के बाद मंडला पूजा की जाएगी और उसी रात 11 बजे भगवान अयप्पा की लोरी हरिवरासनम' के पाठ के साथ मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद, मकर विलक्कु उत्सव के लिए मंदिर दोबारा 30 दिसंबर को शाम पांच बजे खोला जाएगा। जानकारी के मुताबिक, यह 'स्वर्ण अंकी' त्रावणकोर के महाराज ने मंडला पूजा के लिए भेंट की थी। श्रद्धालु 23 दिसंबर को सुबह पांच से सात बजे के बीच अरनमुला मंदिर के प्रांगण में इसके दर्शन कर सकेंगे।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने तिरुपति मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुपति। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में रविवार को पूजा-अर्चना की।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया और उन्हें दर्शन के लिए मंदिर ले गए। मंदिर प्रशासन के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, शिव प्रताप शुक्ला ने आज भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। टीटीडी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और वे उन्हें दर्शन के लिए मंदिर लेकर गए।

दर्शन के बाद पुजारियों ने रंगनायकुला मंडपम में राज्यपाल को रेशमी वस्त्र भेंट किए और भगवान का प्रसाद प्रदान किया। टीटीडी तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक प्रबंधन निकाय है। श्री वेंकटेश्वर मंदिर दुनिया का सबसे समृद्ध हिंदू मंदिर माना जाता है।

सुविचार

जितना हो सके खामोश रहना ही अच्छा हैं, क्योंकि सबसे ज्यादा गुनाह इंसान से उसकी जुबान ही करवाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत की ताकत का एहसास कराएं

बांग्लादेश के मैमनसिंह शहर में कथित ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति दीपूचंद्र दास को जिस बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतारा गया, वह घोर निंदनीय है। जब उग्र भीड़ का इससे भी मन नहीं भरा तो उसने शव को आग लगा दी। वहां खड़े लोग इस भयानक हत्याकांड के वीडियो बनाते रहे, सेल्फी लेते रहे और नारे लगाते रहे! कोई भी बचाने के लिए आगे नहीं आया। क्या बांग्लादेश दरिंदों का झुंड बनता जा रहा है? जो लोग एक इन्सान के साथ ऐसा सलूक कर सकते हैं, वे यकीनन इन्सान तो नहीं होंगे। इस मामले की कड़ी निंदा करते रहने से काम नहीं चलेगा। इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना चाहिए। बांग्लादेश में अराजकता फैल चुकी है। वहां दरिंदों का बोलबाला हो गया है। वे चाहे जिसे जिंदा छोड़ते हैं, चाहे जिसे मारते हैं। इस देश पर कठोर प्रतिबंध लगाए जाएं। इसकी अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वोटबैंक के दबाव और भारतविरोधी सोच के कारण उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं, लिहाजा सीमित सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखना चाहिए। दीपूचंद्र दास के साथ जो हुआ, उसे जानकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद करें, तीन दिसंबर, 2021 को पाकिस्तानी पंजाब के सियालकोट में एक श्रीलंकाई मैनेजर प्रियंथा कुमारा को भी ईशनिंदा के आरोप में कट्टरपंथियों ने इसी तरह मौत के घाट उतारा था। उसके बाद कई लोग उग्र भीड़ के हाथों मारे जा चुके हैं। अब बांग्लादेश भी पाकिस्तान के पदचिह्नों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दीपूचंद्र हत्याकांड के बाद मुहम्मद यूनुस ने वही रटा-रटाया बयान जारी कर दिया, जिसके वे अभ्यस्त हो चुके हैं। अब तक दर्जनभर लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सवाल है- क्या अदालतें उन्हें सजा देने की हिम्मत दिखाएंगी? बांग्लादेश में यह चर्चा जोरों पर है कि उक्त कार्रवाई दिखावटी है। माना जा रहा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी इसलिए की गई है, ताकि यूनुस यह दिखा सकें कि वे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बाद में मुकदमे को इतना कमजोर बनाया जा सकता है, जिससे सभी आरोपी सबूतों के अभाव में अदालत से बरी हो जाएं। बांग्लादेश में कट्टरपंथी कितने बेलगाम हो गए हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद उन्होंने मीडिया के दफ्तरों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। एक अखबार के दफ्तर में काम कर रहे 30 से ज्यादा पत्रकारों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, अन्यथा उग्र भीड़ उन्हें जिंदा जला देती। यह कैसा उन्माद है? इस दौरान अल्पसंख्यक परिवार अपने घरों में डरे-सहमे बैठे रहे। अगर उनका कोई भी सदस्य बाहर दिख जाता तो उसके साथ क्या होता? शरीफ उस्मान हादी को हमलावरों ने गोली मारी थी, जिनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करना न्यायसंगत है, लेकिन इसके बजाय अपने देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, आग लगाना, देशवासियों का जीवन संकट में डालना कितना सही है? क्या बांग्लादेश भस्मासुर नहीं बनता जा रहा है? इसे अनुशासित करने के लिए भारत को सख्त कदम उठाने होंगे। मुहम्मद यूनुस तक यह संदेश पहुंचाना चाहिए कि इसी दिसंबर महीने में हमने बांग्लादेश को आजाद कराया था। अगर जरूरत पड़ी तो इसका नक्शा बदल देंगे। बांग्लादेशियों को इन्सानों की तरह रहने का सलीका सिखाया जाए। भारत की धरती पर जहां कहीं अवैध बांग्लादेशी पाए जाएं, उन्हें सख्त सजा देकर निकाला जाए। हमारा देश एक बड़ी आर्थिक और सैन्य ताकत है, कोई मजाक नहीं है। ढाका को इस ताकत का एहसास कराने का वक्त आ गया है।

ट्वीटर टॉक

मनरेगा के नाम पर फिर एक बार देश को गुमराह करने की साजिश हो रही है, जबकि सच्चाई यह है कि 'विकसित भारत: जी राम जी योजना' मनरेगा से आगे का सशक्त कदम है। अब मजदूर भाइयों को 100 नहीं, 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी का प्रावधान है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राजस्थान की हमारी विकासशील सरकार के दो स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा मंडल में विकास रथ के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जन-जन तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाया गया।

-दिया कुमारी

ओ.टी.एस., जयपुर में आयोजित लखपति दीदी राज्य स्तरीय कार्यक्रम के उपरांत लखपति दीदियों से प्रेरक संवाद का अवसर मिला। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

छोटी चूक बड़ा खमियाजा

राजा अनंतदेव से भोजन करते समय थोड़ा-सा शहद टपककर ज़मीन पर गिर पड़ा। उनके मन में विचार आया कि नौकर आएगा और स्वयं साफ कर लेगा। नौकर आया तो ध्यान न जाने के कारण वह भी बिना साफ किए ही चला गया। शहद को चाटने मक्खियां आ गईं। मक्खियों को देख छिपकली ललचाई और उन्हें खाने के लिए आ पहुंची। छिपकली को मारने बिल्ली पहुंची, जो कि राजमहल में ही रहती थी। उस दिन न जाने कैसे पर राजमहल के बाहर बगीचे में घूम रहे कुत्ते वहां आ पहुंचे और बिल्ली पर टूट पड़े। बिल्ली तो किसी तरह भाग गई पर कुत्ते आपस में लड़कर घायल हो गए। कुत्तों के मालिकों को जब यह बात पता चली तो वे सब भी वहां आ पहुंचे। कुत्तों के मालिक अपने-अपने कुत्तों के पक्ष का समर्थन करने लगे और दूसरे का दोष बताने लगे। इस पर लड़ाई ठन गई। दंगइयों को मौका मिला तो सरकारी संपत्ति को लूटा और राजमहल में आग लगा दी। इतने बड़े उपद्रव का जब राजा ने कारण पूछा तो मंत्री ने जांचकर बताया कि आपके द्वारा गिराए गए शहद को साफ न करना ही इतने बड़े बवाल का कारण बना। अपनी ही असावधानी से बिगड़े किसी काम को सुधारने का मौका गंवाना नहीं चाहिए अन्यथा वह किसी भयावह घटना को जन्म दे सकता है।

सामयिक

बच्चों को दया नहीं, अधिकार चाहिए-आराम का, खेलने का, गलती करने का और अपनी गति से बढ़ने का। अब समय आ गया है कि हम होड़ से हटकर संवेदना को चुनें। शिक्षा को भय से मुक्त करें, बचपन को बोझ नहीं, संरक्षण दें। क्योंकि स्वस्थ बचपन ही स्वस्थ समाज की नींव होता है, और यदि नींव ही कमजोर होगी, तो भविष्य की इमारत कितनी भी ऊँची क्यों न हो, टिक नहीं पाएगी।

हमारी सामाजिक होड़ और बच्चों का स्वास्थ्य

डॉ. प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

हाल ही में 10 वर्षीय एक बच्चे की अचानक मृत्यु से जुड़ा समाचार केवल एक दुखद घटना नहीं है, बल्कि हमारे समय की सबसे गंभीर सामाजिक विडंबना का संकेत है। चिकित्सकों द्वारा बताए गए संभावित कारण-अधूरी नींद, बिना नाश्ता स्कूल जाना, भारी स्कूल बैग, होमवर्क और प्रदर्शन का मानसिक दबाव, समय पर व पौष्टिक भोजन का अभाव-एक ऐसे तंत्र की ओर इशारा करते हैं, जिसमें बचपन लगातार कुचला जा रहा है। यह घटना हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि क्या हम बच्चों को बेहतर भविष्य देने की कोशिश में उनका वर्तमान छीन रहे हैं। आज का समाज उपलब्धियों की अंधी दौड़ में फँसा हुआ है। अभिभावक, शिक्षक और संस्थाएँ-सभी किसी न किसी रूप में प्रतिस्पर्धा को जीवन का मूल मंत्र मान बैठे हैं। इस प्रतिस्पर्धा का सबसे कमजोर शिकार वे बच्चे हैं, जिनकी उम्र अभी खेलने, सीखने और सहज विकास की है। चार-पाँच साल की उम्र में जब बच्चा दुनिया को समझना शुरू करता है, तब उससे अपेक्षा की जाती है कि वह तय समय पर उठे, तय पाठ्यक्रम पूरा करे, परीक्षा में अव्वल आए और भविष्य की दिशा अभी से तय कर ले। यह सोच न केवल अवैज्ञानिक है, बल्कि अमानवीय भी है।

बाल मनोविज्ञान स्पष्ट रूप से बताता है कि शुरुआती वर्षों में बच्चे का मस्तिष्क सबसे अधिक लचीला और संवेदनशील होता है। इस दौर में उस पर डाला गया दबाव उसके व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है। नींद की कमी, तनाव और भय की स्थिति में सीखने की प्रक्रिया बाधित होती है। फिर भी, हम सुबह कच्ची नींद में बच्चों को जगाते हैं, उन्हें बिना नाश्ता कराए स्कूल भेज देते हैं और उनसे उम्मीद करते हैं कि वे पूरे दिन सक्रिय और एकाग्र रहेंगे। यह उम्मीद वास्तविकता से कोसों दूर है। भारी स्कूल बैग वर्षों से चर्चा का विषय रहे हैं। सरकारी दिशा-निर्देश और न्यायालयों के आदेशों के बावजूद, आज भी छोटे बच्चे अपने वजन से अधिक बोझ कंधों पर ढोते दिखाई देते हैं। यह केवल शारीरिक समस्या नहीं है; यह मानसिक संदेश भी देता है कि शिक्षा एक बोझ है, आनंद नहीं। जब शिक्षा बोझ बन जाती है, तो बच्चे के मन में सीखने के प्रति स्वाभाविक जिज्ञासा धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है।

होमवर्क और परीक्षा का दबाव इस समस्या को और गहरा करता है। होमवर्क का उद्देश्य कक्षा में सीखी गई बातों को दोहराना और समझ को मजबूत करना होना चाहिए, न कि बच्चे को भयभीत करना। लेकिन व्यवहार में होमवर्क अक्सर दंड का रूप ले लेता है। अधूरा रहने पर डाँट, सज़ा और तुलना-ये सब बच्चे के आत्मसम्मान को चोट पहुँचाते हैं। वह सीखने के बजाय गलती से डरने लगता है, और यही डर आगे चलकर तनाव, चिंता और अवसाद का कारण बनता है। भोजन और दिनचर्या भी बच्चों के स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाते हैं। स्कूल में समय पर और पौष्टिक भोजन न मिलना, ठंडा लंच खाने की मजबूरी, और घर लौटते ही बिना आराम नहाने व पढ़ने का दबाव-यह सब बच्चे के शरीर की प्राकृतिक जरूरतों की अनदेखी है। शरीर और मन को विश्राम की आवश्यकता होती है। बिना विश्राम के लगातार गतिविधि बच्चे की सहनशीलता को तोड़ देती है।

यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों से आखिर चाहते क्या हैं। क्या हम उन्हें खुश, स्वस्थ और संवेदनशील इंसान बनाना चाहते हैं, या केवल अंक और पदवी हासिल करने वाली मशीन? जब अभिभावक अपने बच्चे को दूसरों से तुलना करते हैं-फलाँ का बच्चा यह कर रहा है, तुम क्यों नहीं-तो वे अनजाने में उसके मन में हीन भावना भर देते हैं। यह तुलना सामाजिक होड़ को जन्म देती है, जिसमें हर कोई आगे निकलने की कोशिश करता है, चाहे उसकी कीमत बच्चे का बचपन ही क्यों न हो। शिक्षा व्यवस्था को भी इस संदर्भ में आत्ममंथन करना होगा। स्कूल केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की फैक्ट्री नहीं हैं; वे समाज निर्माण की प्रयोगशालाएँ हैं। यदि स्कूलों में खेल, कला, संवाद और रचनात्मक गतिविधियों के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है, तो शिक्षा अधूरी है। शिक्षक बच्चों के लिए केवल ज्ञानदाता नहीं, मार्गदर्शक और संरक्षक भी होते हैं। अनुशासन के नाम पर भय का वातावरण बनाना शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है।

नीतिगत स्तर पर सरकार और प्रशासन की भूमिका भी अहम है। स्कूल बैग का वजन, स्कूल समय, होमवर्क की मात्रा और प्रारंभिक कक्षाओं में परीक्षा प्रणाली-इन सब पर स्पष्ट और सख्त दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है। साथ ही, इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र भी होना चाहिए। बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, काउंसलिंग सेवाएँ और पोषण कार्यक्रम शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनने चाहिए। अभिभावकों के लिए सबसे बड़ा प्रश्न आत्मचिंतन का है। अपनी शिक्षा-यात्रा को याद करना जरूरी है-हमने कब स्कूल जाना शुरू किया, कैसे सीखा, कितनी जगह खेल और मित्रता को मिली। क्या हम सचमुच आज के बच्चों से अधिक सक्षम थे, या हमें सीखने के लिए अधिक समय और स्वतंत्रता मिली थी? यदि हमने संघर्ष किया और आगे बढ़े, तो यह मान लेना कि हमारे बच्चे भी वही रास्ता अपनाएँ, जरूरी नहीं। हर पीढ़ी की चुनौतियाँ और जरूरतें अलग होती हैं।

यह भी समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल ऊँचा पद या अधिक वेतन नहीं है। एक संतुलित, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनना भी सफलता है। यदि बच्चा मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है, तो उसकी उपलब्धियाँ खोखली हैं। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता-उसकी रुचियाँ, क्षमताएँ और गति अलग-अलग होती हैं। शिक्षा का उद्देश्य इन भिन्नताओं को सम्मान देना होना चाहिए, न कि उन्हें कुचल देना। मीडिया और सामाजिक विमर्श की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जब केवल टॉपर्स, रैंक और रिकॉर्ड की बातें होती हैं, तो अप्रत्यक्ष रूप से दबाव का माहौल बनता है। हमें उन कहानियों को भी जगह देनी चाहिए, जहाँ बच्चों ने खेल, कला, सेवा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से जीवन को अर्थ दिया। इससे समाज का दृष्टिकोण संतुलित होगा। अंततः, यह प्रश्न हमारे सामने खड़ा है-क्या हम सचमुच बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं, या अपने अहंकार और असुरक्षा को उनके कंधों पर लाद रहे हैं? यदि किसी उपलब्धि की कीमत बच्चे की सेहत, मुस्कान और जीवन है, तो वह उपलब्धि नहीं, विफलता है। बच्चों को दया नहीं, अधिकार चाहिए-आराम का, खेलने का, गलती करने का और अपनी गति से बढ़ने का। अब समय आ गया है कि हम होड़ से हटकर संवेदना को चुनें। शिक्षा को भय से मुक्त करें, बचपन को बोझ नहीं, संरक्षण दें। क्योंकि स्वस्थ बचपन ही स्वस्थ समाज की नींव होता है, और यदि नींव ही कमजोर होगी, तो भविष्य की इमारत कितनी भी ऊँची क्यों न हो, टिक नहीं पाएगी।

नजरिया

गणित को अनुभूति बनाने वाले श्रीनिवास रामानुजन

भारतीय गणित की महान् परम्परा के वाहक श्रीनिवास रामानुजन को 'गणितज्ञों का गणितज्ञ' और संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए संख्याओं का जादूगर' भी कहा जाता है, जिन्होंने खुद से गणित सीखा और जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों (थ्योरम्स) का संकलन किया, जिनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं। रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए।

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय गणित की गौरवशाली परंपरा और विश्वविख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यह केवल एक स्मृति-दिवस नहीं बल्कि गणित जैसे बौद्धिक अनुशासन के प्रति समाज में सम्मान, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टि को सुदृढ़ करने का राष्ट्रीय प्रयास है। राष्ट्रीय गणित दिवस की औपचारिक घोषणा वर्ष 2012 में रामानुजन की 125वीं जयंती के अवसर पर की गई थी। चेन्नई में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने रामानुजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे विलक्षण प्रतिभावान और गूढ़ ज्ञान से युक्त व्यक्तित्वों का जन्म समाज में बहुत कम होता है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि रामानुजन की प्रतिभा न केवल गणित के क्षेत्र में बल्कि मानव बौद्धिक क्षमता की सीमाओं को समझने में भी एक प्रेरक उदाहरण है। उसी अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि रामानुजन के जन्मदिवस को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाया जाएगा ताकि देश की युवा पीढ़ी गणित से भय के बजाय आकर्षण और नवाचार का संबंध विकसित कर सके। इस दिवस का उद्देश्य गणितीय सोच को बढ़ावा देना, अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और यह संदेश देना है कि गणित केवल अंकों का खेल नहीं बल्कि विज्ञान, तकनीक और राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था।

गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

भारतीय गणित की महान परम्परा के वाहक श्रीनिवास रामानुजन को 'गणितज्ञों का गणितज्ञ' और संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए संख्याओं का जादूगर' भी कहा जाता है, जिन्होंने खुद से गणित सीखा और जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों (थ्योरम्स) का संकलन किया, जिनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं। रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए। वे ऐसे विश्वविख्यात गणितज्ञ थे, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और विषय गणित की शाखाओं में अविस्मरणीय योगदान दिया और जिनके प्रयासों तथा योगदान ने गणित को एक नया अर्थ दिया। उनके द्वारा की गई खोज रामानुजन थीटा' तथा रामानुजन प्राइम' ने इस विषय पर आगे के शोध और विकास के लिए दुनियाभर के शोधकर्ताओं को प्रेरित किया। बहरहाल, राष्ट्रीय गणित दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि सीमित संसाधनों और औपचारिक प्रशिक्षण के अभाव में भी भारतीय प्रतिभा विश्व को नई दिशा दे सकती है, जैसा कि रामानुजन ने अपने जीवन और कार्य से सिद्ध किया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वाजपेयी ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक भारत को गढ़ा : उपराष्ट्रपति

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनके सशक्त नेतृत्व, सुशासन और सैद्धांतिक दृढ़ता के लिए याद करते हुए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि वाजपेयी ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक भारत को आकार दिया। राधाकृष्णन ने इंदौर में अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी समारोह में कहा,अटलजी एक विराट व्यक्तित्व थे जिन्होंने सत्यनिष्ठा, बौद्धिकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक भारत को आकार दिया। उन्होंने कहा कि वाजपेयी की महान विरासत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं और वह वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में दृढ़ता से अग्रसर हैं।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में 25 दिसंबर 1924 को जन्मे वाजपेयी की जयंती 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाई जाती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वाजपेयी हमेशा संवाद, समावेशी विकास और सशक्त, लेकिन मानवीय शासन में विश्वास रखते थे। उन्होंने कहा कि वाजपेयी के आदर्श आज भी देश को प्रेरित करते हैं और वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक प्रकाशपुंज की तरह हैं। राधाकृष्णन ने कहा कि वाजपेयी ने सांसद, कवि और प्रधानमंत्री के रूप में शालीनता और गरिमा के साथ सार्वजनिक विमर्श को ऊंचाई प्रदान की। उन्होंने कहा,''अटलजी ने साबित कर दिखाया कि राजनीति सिद्धांतनिष्ठ और करुणामयी हो सकती है। एक सशक्त, आत्मविश्वास से भरे और वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत को लेकर उनका दृष्टिकोण आज भी हमारी राष्ट्रीय विकास यात्रा का मार्गदर्शन करता है।''

राधाकृष्णन ने वाजपेयी से उनकी मुलाकातों के अलग-अलग संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उनका राजनीतिक दर्शन पूर्व प्रधानमंत्री के सान्निध्य और उनके साथ हुए संवाद से प्रभावित रहा है। उन्होंने वर्ष 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण और 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी की दृढ़ता का उल्लेख किया और कहा कि वह अपने नाम की तरह सदैव 'अटल' रहे और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया।

गरीबी में हुआ जन्म और राजनीति ने खत्म किया गोविंदा का फिल्मी कैरियर सफर

मुंबई/एजेन्सी

80 के दशक में कई बड़े हीरो ने पर्दे पर अपने एक्शन और लुक्स से दर्शकों का दिल जीता, लेकिन 1980 में जब पहली बार गोविंदा ने सिनेमा के पर्दे पर एंट्री ली, तो देखते ही देखते दर्शकों के दिलोदिमाग पर छा गए। अभिनेता ने अपने करियर के पीक पर साल में 15-15 फिल्में साइन की, लेकिन उनकी शुरुआती जिंदगी और करियर दोनों संघर्ष से भरे थे। अभिनेता रविवार को अपना 62वां जन्मदिन मनाएंगे। हिम्मत और मेहनत के जरिए इंसान पहाड़ को भी झुका सकता है, इस कहावत को गोविंदा ने सार्थक किया। अभिनेता का जन्म गरीबी में हुआ, जब उनके परिवार और पिता हवेली से चॉल में शिफ्ट हुए। अभिनेता के पिता अरुण आहूजा 1940 के दशक के अभिनेता थे जिन्होंने 'औरत' और 'एक ही रास्ता' जैसी फिल्मों में काम किया था। अभिनेता के पिता ने फिल्में प्रोड्यूस की और यही कारण था जिसकी वजह से वे अपने परिवार के साथ चॉल में शिफ्ट हुए। अभिनेता की फिल्में डूबने लगीं और उनका करियर भी। इन्हीं दुख और परेशानी के समय गोविंदा का जन्म हुआ।

गोविंदा को उनके घर में प्यार से 'चीची' बुलाते हैं। ये प्यारा नाम उनकी मां ने उन्हें दिया क्योंकि वे घर में सबसे छोटे थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता की मां का मानना था कि वे भगवान श्री कृष्ण की तरह सारी परेशानी को सबसे छोटी उंगली पर उठा लेंगे और वैसा ही हुआ। अपने परिवार को गरीबी से निकालने में गोविंदा का बड़ा हाथ रहा। करियर की शुरुआत में अभिनेता को एक्टर बनना था लेकिन उनसे डांस सीखने के लिए कहा गया। जावेद जाफरी के शो 'बूगी-वूगी' में अभिनेता ने खुलासा किया था कि उन्हें जावेद जाफरी का वीडियो दिखाकर डांस सीखने की सलाह दी गई थी और उनके वीडियो देखकर ही उन्होंने शुरू में डांस सीखा था, लेकिन बाद में कोरियोग्राफर सरोज खान ने उन्हें डांस की तालीम दी।

1986 में आई फिल्म 'इल्जाम' से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन साल 1990 का दशक अभिनेता का बेहतरीन साल रहा क्योंकि उनकी बैक टू बैक कई फिल्में रिलीज हुईं। इसे उनके करियर का स्वर्णिम काल कहा गया। उनकी 'हीरो नंबर 1', 'साजन चले ससुराल', 'राजा बाबू', और 'कुली नंबर 1' जैसी फिल्में सुपरहिट हुईं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अपने सफल करियर के समय अभिनेता एक फिल्म का 1 करोड़ रुपये चार्ज करते थे। साल 2004 में अभिनेता ने राजनीति में कदम रखा। वे कांग्रेस में शामिल हुए और नॉर्थ मुंबई से चुनाव जीता और इसके बाद फिल्मी करियर में गिरावट का दौर शुरू हो गया। अभिनेता ने खुद स्वीकारा कि राजनीति में आने की वजह से उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और पार्टी के कुछ राजनेता ही उनके दुश्मन बन गए थे। अभिनेता ने ये तक कहा था कि उनकी फिल्मों को राजनेताओं के जरिए रिलीज होने से रोका गया।

मल्लिका शेरावत ने व्हाइट हाउस में मनाया क्रिसमस का जश्न

मुंबई/एजेन्सी

दिसंबर का महीना आते ही दुनियाभर में क्रिसमस की रौनक छा जाती है। कड़कड़ाती ठंड के साथ-साथ उत्सव का नजारा हर जगह पर देखने को मिलता है। भारत में भी इसकी तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन विदेशों में तैयारी के साथ-साथ जश्न की शुरुआत हो चुकी है। ऐसा ही कुछ नजारा अमेरिका के व्हाइट हाउस में देखने को मिला। दरअसल, हाल ही में व्हाइट हाउस में क्रिसमस पार्टी का आयोजन किया गया था। इसी उत्सव में बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने भी शिरकत की थी। अभिनेत्री ने इस खास अवसर की कुछ झलकियां अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। तस्वीरों में वे व्हाइट हाउस की भव्य सजावट के बीच मुस्कराती दिख रही हैं।

अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, व्हाइट हाउस क्रिसमस डिनर के लिए आमंत्रित होना बिल्कुल अवास्तविक लगता है। मैं बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे उनकी तारीफ कर रहे हैं। 25 दिसंबर को क्रिसमस फेस्टिवल मनाया जाता है। यह एक ईसाई त्योहार है, जो यीशु मसीह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, और अब यह दुनिया भर में एक सांस्कृतिक उत्सव के तौर पर मनाया जाने लगा है। इस दिन लोग क्रिसमस ट्री सजाते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं। अभिनेत्री भारतीय सिनेमा में अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने भारत समेत विदेशों में भी अपने अभिनय का परचम लहराया है। मल्लिका शेरावत ने ग्लोबल सुपरस्टार ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो में कैमियो रोल निभाया था।

बेटे को पहला अवॉर्ड मिलने से हैं बेहद खुश है गौरी खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने अपना फिल्मी करियर शुरू कर दिया है, लेकिन एक्टर के तौर पर नहीं बल्कि डायरेक्टर के तौर पर। उनकी ओटीटी सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का खिताब मिला है। बेटे की सफलता पर गौरी खान भी बेहद खुश हैं और उन्होंने आर्यन के लिए कुछ बड़ा और स्पेशल डिजाइन करने का वादा किया है। गौरी खान ने इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट शेयर किए हैं, जिनमें से एक में आर्यन खान की अवॉर्ड लेते हुए स्पीच है। स्पीच में आर्यन खान कहते हैं, यह मेरा पहला अवॉर्ड है, और मुझे उम्मीद है कि मैं आगे भी ऐसे ही अवॉर्ड जीतते रहूंगा क्योंकि अपने पिता की तरह मुझे भी अवॉर्ड बहुत पसंद हैं, लेकिन ये अवॉर्ड मेरे पिता के लिए नहीं, बल्कि मेरी मां के लिए है। उन्होंने आगे कहा, मेरी मां ने मुझसे हमेशा कहा है, 'जल्दी सोना, लोगों का मजाक नहीं उड़ाना, और गाली मत देना,' और इन्हीं तीन चीजों के लिए मुझे अवॉर्ड मिला है, और मुझे उम्मीद है कि घर जाकर मुझे कम डांट पड़ेगी।

आर्यन की स्पीच में उनका सेंस ऑफ ह्यूमर बिल्कुल शाहरुख खान के जैसा दिखा। वीडियो को शेयर कर गौरी ने लिखा, मुझे सबसे खुशनसीब और गौरवान्वित महसूस कराने के लिए शुक्रिया। अब तुम्हारे इन अवॉर्ड के लिए नया केबिन डिजाइन करना पड़ेगा। बता दें कि गौरी खान खुद का डिजाइनिंग स्टूडियो चलाती है और अपने बड़े-बड़े स्टार्स और बिजनेसमैन के घर और छतों को डिजाइन करती है। उन्होंने गौरी खान डिजाइन्स की नींव साल 2013 में रखी थी। उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा का घर, जैकलीन फर्नांडीज का अपार्टमेंट, ऋतिक रोशन का घर और छत, नीता अंबानी के घर एंटीलिया में बार लाउंज, करण जौहर का डुप्लेक्स और रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का घर डिजाइन किया है। गौरी ने हाल ही में अपने घर 'मन्नत' को भी री-डिजाइन करवाया था और वे अपने बेटे के लिए खास जगह डिजाइन करना चाहती हैं। बेटे को आगे बढ़ते देखना हर मां के लिए गर्व की बात होती है। आर्यन खान अपने पिता शाहरुख खान की विरासत को आगे ले जा रहे हैं। शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी फिल्मों में कदम रख चुकी हैं। उनकी ओटीटी रिलीज सीरीज 'द आर्चीज' 2023 में रिलीज हो चुकी है।

क्रिसमस

नादिया में 'क्रिसमस' त्योहार से पहले एक बाजार में प्रदर्शित सांता क्लॉज की मूर्ति को निहारता एक बच्चा।

इमरान खान ने 17 साल कैद की सजा के बाद देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया

इस्लामाबाद/भाष

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अपने समर्थकों से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। 'तोशाखाना 2' भ्रष्टाचार मामले में खान और उनकी पत्नी बुशरा को शनिवार को एक अदालत ने 17-17 साल जेल की सजा सुनाई।

तिहत्तर वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं। 'तोशाखाना 2' मामले में दंपति पर 2021 में सऊदी सरकार से मिले राजकीय उपहारों के संबंध में धोखाधड़ी करने का आरोप है। खान के 'एक्स' पर आधी रात को पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, ''सैन्य शैली में आए मुकदमे के फैसले'' के बाद अडियाला जेल में अपने वकीलों के साथ बातचीत में, खान ने अपने समर्थकों से फैसले के बाद विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया।

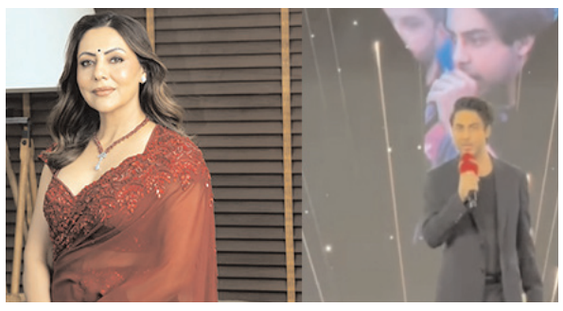

यह पता नहीं चल पाया है कि जेल में रहने की वजह से खान के सोशल मीडिया हैंडल तक पहुंच न होने के चलते उनकी बातचीत को उनके निजी खाते पर किसने पोस्ट किया। उन्होंने कहा, मैंने (खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री) सोहेल अफरीदी को सड़क पर आंदोलन की तैयारी करने का संदेश भेजा है। पूरे देश को अपने अधिकारों के लिए उठ खड़ा होना होगा।

खान ने कहा, संघर्ष ही इबादत है, और मैं पाकिस्तान की सच्ची आजादी के लिए शहादत को गले लगाने के लिए भी तैयार हूं। उन्होंने कहा कि नवीनतम फैसला उनके लिए कोई हैरत की बात नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी कानूनी टीम से इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करने का अनुरोध किया।

खान ने कहा, पिछले तीन वर्षों के निराधार निर्णयों और सजाओं की तरह, तोशाखाना-दो का फैसला भी मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। यह फैसला न्यायाधीश ने बिना किसी सबूत के और कानूनी आवश्यकताओं को पूरा किए बिना जल्दबाजी में दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम की बात तो सुनी तक नहीं गई। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, कानून की सर्वोच्चता स्थापित करने और संविधान को बहाल करने के संघर्ष के लिए 'इंसाफ लॉयर्स फोरम' और अधिवक्ता मोर्चे का आगे आना आवश्यक है। केवल न्याय व्यवस्था ही जनता की रक्षा कर सकती है। इसके बिना न तो आर्थिक प्रगति संभव है और न ही नैतिक विकास। उन्होंने अपनी हिरासत के लिए सेना के नेतृत्व पर भी निशाना साधा, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि ''फौज मेरी है'', जिससे सशस्त्र बलों के शीर्ष नेतृत्व पर हमला करते हुए सेना का समर्थन हासिल करने का उनका प्रयास स्पष्ट होता है।

खान ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पत्नी को ''लगातार एकांत कारावास में रखकर मानसिक यातना दी जा रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया, हमारी किताबों, टीवी और मुलाकातों पर प्रतिबंध है। जेल में हर कैदी टीवी देख सकता है, लेकिन मेरे और बीबी बुशरा के लिए टीवी देखना भी प्रतिबंधित है।

तोशाखाना मंत्रिमंडल विभाग के तहत आने वाला एक विभाग है जो विदेशी सरकारों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पाकिस्तान के शासकों और सरकारी अधिकारियों को दिए गए उपहारों का संग्रह करता है। उपहारों के एक बार जमा हो जाने के बाद इन्हें उचित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए वापस खरीदा जा सकता है।

विरोध

कांग्रेस कार्यकर्ता महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 का नाम बदलने के केंद्र के फैसले के खिलाफ भोपाल में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

जाह्नवी कपूर को मिला 'होमबाउंड' के लिए एक्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

जाह्नवी कपूर को हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में उनकी ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म 'होमबाउंड' के लिए एक्टर ऑफ द ईयर (फीमेल) के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। फिल्म समीक्षकों से भरपूर सराहना बटोरने के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल कर चुकी इस फिल्म के लिए जान्हवी कपूर को मिला यह सम्मान उनके अभिनय करियर में न सिर्फ एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि ग्लोबल सिनेमा में जाह्नवी की मजबूत की मौजूदगी को और पुख्ता करती है। फिलहाल अवॉर्ड जीतने के बाद जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, इस बेहद खास फिल्म के सफर में मैंने बहुत कुछ सीखा, लेकिन जो सबसे ख़ास बात मुझे लगी वो है कि किसी को भी जज करने से पहले हम अपने पूर्वाग्रहों के बोझ से निकलें और वे जैसे हैं, उन्हें उसी तरह देखें। हालांकि मैं दूसरों से भी यही उम्मीद करती हूँ कि मेरे बारे में कोई भी पूर्वाग्रह रखने या राय बनाने से पहले वे स्थिति का सही आकलन करें। मैं समझती हूँ यही एक ऐसा उपहार है, जो हम बतौर इंसान एक-दूसरे को दे सकते हैं। गौरतलब है कि अपनी भावनाएं व्यक्त करने और अपने अभिनय को मिले इस ख़ास पहचान के लिए उन्होंने छ्उद्धत को भी धन्यवाद दिया है। 'होमबाउंड' को इसकी संवेदनशील कहानी और भावनात्मक रूप से गहराई लिए हुए अभिनय के लिए काफी सराहा गया है। विशेष रूप से जाह्नवी कपूर का अभिनय अपनी सादगी, संयम और सच्चाई के लिए चर्चा में बना हुआ है। इसके अलावा दर्शकों और समीक्षकों ने जहां उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है, वहीं कई लोगों ने उनके किरदार को फिल्म की भावनात्मक रीढ़ बताया है।

साथ ही अब जब फिल्म को ऑस्कर के लिए नॉमिनेट कर लिया गया है, तो फिल्म की प्रतिष्ठा और ऊंचाई पर पहुँच गई है और जान्हवी को मिला यह अवॉर्ड और खास बन गया है। फिलहाल इस ख़ास फिल्म के लिए अपनी पोस्ट में जाह्नवी कपूर ने निर्देशक नीरज घेवान के प्रति भी आभार जताते हुए उन्हें प्यार से सबसे बेहतरीन निर्देशक और ह्यूमन टेडी कहा है। अपनी पोस्ट के ज़रिए जान्हवी ने यह भी बताया है कि 'होमबाउंड' को भारत में मिला ये पहला अवॉर्ड है। हालांकि इन दिनों नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही फिल्म 'होमबाउंड' के लिए जान्हवी को मिला यह सम्मान न सिर्फ उनके अभिनय करियर सफर को और मजबूत करता है, बल्कि भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा, दोनों में अपनी एक भरोसेमंद और अर्थपूर्ण पहचान बनाने में कारगर भूमिका भी निभा रहा है।

कंगना ने देखी 'धुरंधर' मूवी, आदित्य धर की जमकर की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

बॉक्स ऑफिस पर आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' की आंधी 15वें दिन भी जारी है। फिल्म ने घरेलू स्तर पर 503 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है और वैश्विक स्तर पर आंकड़ा 700 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म हर किसी के दिलों पर राज कर रही है। इसी बीच, अभिनेत्री व लोकसभा सदस्य कंगना रनौत ने भी इस फिल्म को देखा है। उन्होंने फिल्म के निर्माता और निर्देशक आदित्य धर की जमकर तारीफ की है। अभिनेत्री ने फिल्म को मास्टरपीस बताया है। कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फिल्म की तारीफ की है, और फिल्म की तारीफ करने का तरीका भी अनोखा है। कंगना ने पोस्ट पर लिखा, मैंने धुरंधर देखी और फिल्म को देखते हुए बहुत मजा आया, लेकिन ये साधारण फिल्म नहीं, मास्टरपीस है। फिल्ममेकर्स को ढेर सारा सम्मान है।''

उन्होंने आगे लिखा, मजा आ गया फिल्म देखकर। फिल्म के लिए ढेर सारी बधाइयां। सभी ने फिल्म में अच्छा काम किया है, लेकिन असली धुरंधर आदित्य धर हैं। बता दें कि आदित्य धर देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों के लिए ही जाने जाते हैं। उनकी 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' पहली निर्देशित फिल्म थी, जिसकी वजह से विक्की कौशल और उनका, दोनों का करियर चल निकला था।

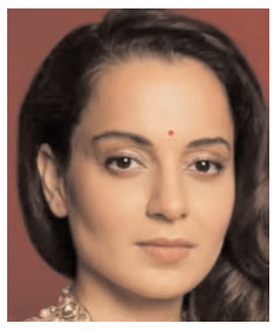

जिसके बाद उन्होंने 'आर्टिकल 370' और 'बारामूला' जैसी फिल्में बनाई, लेकिन अभिनेता का ड्रीम प्रोजेक्ट माइथोलॉजिकल 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' अभी भी ठंडे बस्ते में है। साल 2021 में फिल्म की अनाउंसमेंट हुई, लेकिन बजट इतना बड़ा था कि फिल्म को अभी तक शुरू नहीं किया गया है। ये फिल्म महाभारत के द्रोणाचार्य के पुत्र और योद्धा अश्वत्थामा की मुक्ति और अमरता की कहानी पर आधारित होनी थी, लेकिन साल 2021 से लेकर अब तक फिल्म को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आई है। बात अगर फिल्म 'धुरंधर' की करें तो इसे बनाने के लिए भी आदित्य ने बहुत मेहनत की है। 2 साल की रिसर्च और तकरीबन 280 करोड़ के बजट के साथ फिल्म को बनाना आसान नहीं था। आदित्य ने फिल्म की कास्ट को भी चुन-चुन लिया, जिन्होंने पर्दे पर अपने किरदारों को जीवंत कर दिया है।

उर्वशी ढोलकिया के नाम 'आईटीए माइलस्टोन अवॉर्ड', अभिनेत्री ने फैंस को किया समर्पित

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया ने अपने करियर में कई शोज में काम किया, लेकिन सबसे ज्यादा लोकप्रियता उन्होंने टीवी सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' के आइकॉनिक किरदार कोमोलिका से हासिल की थी। हाल ही में आईटीए ने अभिनेत्री को 'माइलस्टोन अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। अभिनेत्री ने सीरियल में कोमोलिका का निगेटिव किरदार निभाया था, जिसे आज भी दर्शक खूब पसंद करते हैं। शो के टेलीकास्ट के समय अभिनेत्री की हेयर स्टाइल और कॉस्ट्यूम काफी मशहूर हुआ करते थे। आईटीए की तरफ से मिले सम्मान से अभिनेत्री काफी खुश हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, कोमोलिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि तूफान थी। वह बोल्ड, अप्रत्याशित थी और आज भी अविस्मरणीय है। इस किरदार ने

मुझे अभिनय के नए आयाम दिखाए, जिनका सपना हर कलाकार देखता है। अभिनेत्री ने फैंस का शुक्रिया किया। उन्होंने लिखा, मेरे चाहने वालों, आपने कोमोलिका की हर अदा, हर नजर और डायलॉग को दिल से अपनाया है। आपने उसे एक विरासत बना दिया। कैमरा बंद होने के बाद भी आपका प्यार मेरे साथ रहा। आप सभी का साथ होना मेरे लिए किसी इनाम से बड़ा है। मैं हमेशा कहती हूं कि आपकी वजह से हम हैं। अभिनेत्री ने अपना पुरस्कार अपने उन फैंस को समर्पित किया, जो उन्हें 'ओवर द टॉप' कहकर पुकारते हैं। उन्होंने लिखा, यह सम्मान मैं उन सभी को समर्पित करती हूं, जिन्होंने मुझे बहुत ज्यादा समर्थन दिया। कोमोलिका ने सिखाया कि कभी-कभी ज्यादा होना भी एक बाजी बदलने जैसा होता है।

अभिनेत्री ने लिखा, मैं ये कहना चाहती हूं कि मैं सिर्फ एक यादगार किरदार से कहीं ज्यादा हूं। प्लेटफॉर्म के हर क्रिएटर, प्रोड्यूसर और स्टोरीटेलर को ये संदेश देना चाहती हूं कि अगर मैं निगेटिव रोल को इतना आइकॉनिक बना सकती हूं, तो सोचिए ड्रामा, कॉमेडी, इमोशन, एक्शन में क्या नहीं कर सकती हूं?, मैं हर तरह के रोल करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। अभिनेत्री ने यह भी लिखा, मेरे किरदार कोमोलिका को इतना प्यार देने के लिए थैंक्स, लेकिन जुड़े रहिए। उर्वशी ढोलकिया का सबसे अच्छा आना बाकी है। मैं बहुत सम्मानित और आभारी महसूस कर रही हूं।

रजत द्वारा दिए गए 'राजस्थान रत्न' और 'राजस्थान श्री' पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) के 'राजस्थान रत्न' और 'राजस्थान श्री' अवार्ड्स 2025 का 16वां संस्करण 21 दिसम्बर को चेटपेट स्थित लेडी अंडाल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। पुरस्कार समारोह में झारखंड के पूर्व मुख्यन्यायाधीश एम. कर्पगविनायगम भी मुख्यअतिथि के तौर पर एवं सम्मानीय अतिथि के रूप में तमिलनाडु के एडवोकेड जनरल पीएस रमन मौजूद थे।

इस मौके पर समाज के पांच वरिष्ठ समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। राजस्थान रत्न अवार्ड प्यारेलाल पितलिया को एक चैरिटेबल मैटरनिटी हॉस्पिटल बनाने के लिए दिया गया, जो हर महीने महिलाओं की लगभग 600 से अधिक सुरक्षित प्रसव करवाता है। एक और राजस्थान रत्न अवार्ड श्रीरामचन्द्र मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर और यूरोलॉजी हेड डॉ. सुनील श्रॉफ को दिया गया जिन्हों 30 हजार से अधिक सर्जरी की एवं किडनी ट्रांसप्लांटेशन और भविष्य के मेडिकल प्रोफेशनल्स को तैयार करना शामिल है।

समाज के तीन लोगों को 'राजस्थानश्री' पुरस्कार दिया गया जिसमें खजाना ज्वेलरी के संस्थापक किशोर कुमार जैन को उनके प्रभावशाली सीएसआर पहलों और विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में योगदान के लिए प्रदान किए गए, जिसमें अड्यार कैंसर संस्थान में एक ब्लॉक का निर्माण भी शामिल है। प्रवीण कुमार जैन को अल्पसंख्यक कल्याण, समावेशी शासन और सामाजिक न्याय को मजबूत करने वाली तीन दशकों की सेवा के लिए, तमिलनाडु राज्य अल्पसंख्यक आयोग में जिम्मेदारी के साथ और शिव दास मीणा आईएएस (सेवानिवृत्त) को सुशासन में उनकी उत्कृष्टता के लिए, राजस्थान के एक दूरदराज के गांव में एक किसान के बेटे के रूप में विनम्र शुरुआत से लेकर तमिलनाडु कैडर में आईएएस अधिकारी बनने तक, जिला कलेक्टर से लेकर राज्य के मुख्य सचिव तक विभिन्न पदों को संभालने और अतीत में वैश्विक निवेशकों की बैठक आयोजित करने की जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए प्रदान किया गया। रजत के अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने कहा कि जूरी ने 70 से ज़्यादा प्रविष्टियां प्राप्त हुई जिसमें से पांच अवॉर्ड पाने वालों को चुना, इससे लोगों को समाज के लिए और ज़्यादा करने की हिम्मत मिलती है और उन्होंने अवॉर्ड पाने वालों को बधाई दी।

एलुमनी डे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एसआरएमआईएसटी ने 21 दिसंबर को एलुमनी डे 2025 का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न विषयों और परिसरों से 3,300 से अधिक पूर्व छात्र शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थापक कुलाधिपति डॉ. टीआर पारिवेन्दहर ने जोर देते हुए कहा कि एसआरएम की प्रगति किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं, बल्कि इसके पूर्व छात्र समुदाय के सामूहिक योगदान से संभव हुई है। उन्होंने पूर्व छात्रों से एसआरएमआईएसटी विश्वविद्यालय के उद्यमिता और नवाचार विभाग द्वारा मार्गदर्शित 50 से अधिक स्टार्ट-अप्स के विकास में सहयोग और मार्गदर्शन देने का भी आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और उद्योग, शिक्षा, उद्यमिता तथा सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में योगदान के लिए एलुमनी अवार्ड्स समारोह का आयोजन भी किया गया।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज मंदिर चेन्नई के तत्वावधान में श्री पीपाजी महाराज मंदिर चेन्नई में रविवार को पांचवी बार पीपाजी महाराज कैलेंडर का विमोचन किया गया। समाज के गणमान्यों ने मिलकर कलैन्डर का विमोचन किया। यह जानकारी सहसचिव नरेश मकवाना ने दी।

प्रहलाद की तरह भक्त बने ईश्वर स्वयं प्रेम करेंगे : प्रियाशरण महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अन्ना नगर स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में चल रही कथा के चौथे दिन कथा वाचक प्रियाशरण महाराज ने प्रह्लाद चरित्र, वामन अवतार, श्री रामचरित्र एवं श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा का विस्तार से वर्धन करते हुए कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है उन्होंने कहा कि जब हमारी वृत्ति परमात्मा में लगेगी तो संसार गायब हो जाएगा।

उन्होंने कथा में बताया कि भगवान संसार से जुड़े भी हैं और अलग भी है उन्होंने कहा कि इस संसार की कोई भी वस्तु भगवान से अलग नहीं है उन्होंने वामन अवतार की कथा बताते हुए कहा कि वामन अवतार भगवान विष्णु के उस अवतार से जुड़ी है जब उन्होंने दैत्यराज बलि के अहंकार को दूर करने और देवताओं की खोई हुई शक्ति वापस दिलाने के लिए एक बौने ब्राह्मण (वामन) का रूप धारण किया और तीन पग भूमि माँगकर पृथ्वी, स्वर्ग और पाताल को माप लिया, और जब उसका अहंकार चकनाचूर हो गया तब उन्होंने दैत्यराज बलि को पाताल लोक का राजा बनाया इसके बाद भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इसमें श्रद्धालु जमकर थिरके। इस मौके पर पूरा कथा परिसर भगवान श्री कृष्ण के जयकारों तथा नंद के आनन्द भयो, जय कन्हैयालाल की जय से गूंजायमान हो उठा। कथावाचक ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन कर धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा जब-जब संसार में अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब-तब प्रभु श्री कृष्ण का अवतार होता है प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। कथा आयोजक राजेंद्र कुमार गुप्ता, मोहनलाल सर्राफ, पंकज कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, घनश्याम बंसल, विनोद गर्ग, चंद्रप्रकाश सर्राफ, पिंकी सर्राफ, प्रवीण गर्ग, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, सीताराम गोयल, प्रेम प्रकाश बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मिशो का शपथ ग्रहण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 21 दिसम्बर को रविवार को सुबह महावीर इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन द्वारा शपथ ग्रहण समारोह, पदस्थापना कार्यक्रम एवं सेवा प्रकल्प का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ सभी सदस्यों के परिचय के साथ हुई। इसके पश्चात संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के साथ ही सेवा, करुणा एवं समर्पण के संकल्प को दोहराया गया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष शिल्पा बम्ब ने अपने उद्बोधन में कहा कि महावीर इंटरनेशनल का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाना है। उपाध्यक्ष सुमित ने सेवा कार्यों में सामूहिक सहभागिता को संगठन की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जॉन चेयरमैन संरक्षक निरंजन सोलंकी एवं इंद्रा सोलंकी, कोषाध्यक्ष गुंजन जैन, सह कोषाध्यक्ष वंदना, डायरेक्टर सोनल जैन, प्रोजेक्ट डायरेक्टर नीलम सारडा, मेडिकल डायरेक्टर मिलन, मेंबरशिप डायरेक्टर दीक्षित, ईचौपाल डायरेक्टर हर्षा भंडारी, नवरतन बम्ब, सुरेश भंडारी, राजेश्वरी कटारिया, महेंद्र कटारिया, जैनिल कुमार सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं इस संदेश के साथ हुआ कि सभी मिलकर ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं और महावीर इंटरनेशनल आने वाले समय में सेवा के नए आयाम स्थापित करता रहेगा। शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात संगठन द्वारा एक सेवा प्रकल्प के अंतर्गत सेंट्रल रेलवे स्टेशन के समीप 200 खाद्य पैकेटों का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं संरक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

थोकड़े का शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन रत्न युवक परिषद् तमिलनाडु के तत्वावधान में साहूकारपेट में बेसिन वाटर वर्क्स स्थित स्वाध्याय भवन में जैनागम थोकड़े की परीक्षा हेतु थोकड़ा प्रशिक्षण शिविर साध्वी अंजनाश्री के सानिध्य में आयोजित किया गया। युवक परिषद् तमिलनाडु के सचिव आर मनोज कवाड ने बताया कि अखिल भारतीय जैन आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड जोधपुर के अंतर्गत होने वाली थोकड़े की वार्षिक परीक्षा के पूर्वाभ्यास हेतु आयोजित शिविर में परीक्षार्थियों ने भाग लिया शिविर के आयोजन में युवक परिषद् के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल शाखा कार्य प्रमुख अभय सुराणा, शिखर छाजेड़, हेमन्त बाफना, रविन्द्र बोथरा, वीरेंद्र ओस्तवाल, सम्पत बागमार, आर वीरेन्द्र कांकरिया, प्रशान्त बागमार आदि सहयोग रहा।

साध्वीश्री अंजनाश्री व तितिक्षाश्री ने प्रवचन में कहा साध्वी तितिक्षाश्री ने विंग्स टू फ्लाई संस्कारीय शिविर के शिविरार्थियों को जीवन निर्माण, कर्तव्य पालन व नैतिक दायित्व की प्रेरणाएं की। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के क्षेत्रीय प्रधान सुशील बोहरा, तिरुवन्नामलै ने स्वाध्याय भवन में शिविर का अवलोकन कर शिविरार्थियों व युवक परिषद् तमिलनाडु के उत्साहवर्धन रुप में भाव रखते हुए साधुवाद ज्ञापित किया। साध्वी अंजनाश्री ने मंगल पाठ फरमाया।

स्वयं की प्राप्ति के लिए किया जाता है तप : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ऑसबन रोड स्थित चंद्रप्रभ स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री जी ने मंदिर प्रांगण में 18 अभिषेक पूजा के अवसर पर प्रत्येक पदार्थ के महत्त्व के बारे में बताते हुए कहा कि अभिषेक स्व की चेतना का आध्यात्मिक प्रकृति के साथ मिलन को दर्शाता है। अभिषेक उस तप का प्रतीक है जो व्यक्ति को स्वयं की प्राप्ति के लिए करना होता है। अभिषेक से भक्त को यह लाभ होता है कि यह प्रक्रिया भक्त को सभी सीमाओं, नकारात्मकताओं, वृत्तियों, भ्रमों और परिभाषाओं से मुक्त कर देती है। प्रत्येक अभिषेक उपासक को स्वयं के करीब ले जाता है और परमात्मा के साथ उसके मिलन का अहसास कराता है। आत्मा का परमात्मा से अलगाव ही सभी दुखों का कारण है। अभिषेक की प्रत्येक वस्तु का एक गहरा अर्थ होता है। झ्झ्साध्वीश्री ने बताया कि दूध लंबी आयु का लाभ प्रदान करने वाला एवं पोषण का प्रतीक है। यह हमारे मन को सकारात्मक विचारों तथा शास्त्रों के ज्ञान से पोषित करके उसे मजबूत बनाने में मदद करता है। जटामासी चूर्ण जीवन से दुःख और समस्याओं को दूर करने में मदद करता है, शीतलता का प्रतीक है। केशर सच्ची आत्मा का अहसास करने के लिए भौतिक दुनिया से वैराग्य लाता है। चंदन स्वयं को शुद्ध करने और दिव्य सुगंध से भरने का प्रतीक है। दही जीवन के खूबसूरत अनुभवों को सहेजने और संजोकर रखने की कला का प्रतीक है। शक्कर मिश्री शत्रुता दूर करने के लिए जानी जाती है, यह हर परिस्थिति के साथ अनुकूलन करने की क्षमता का प्रतीक है। घी मोक्ष प्राप्त करने में मदद करता है, हमें याद दिलाता है कि किसी का सबसे बड़ा लक्ष्य स्वयं/आत्मा का अहसास करना है। विशिष्ट औषधियां उपचार में मदद करती हैं और उस सुरक्षा या ढाल का प्रतीक है जिसे नकारात्मक विचारों से अप्रभावित रहने के लिए बनाए रखना आवश्यक है। इक्षुरस किसी को ज्ञान प्रदान करने के लिए जाना जाता है, यह उस लचीलेपन का प्रतीक है जिसे नए अनुभवों और ज्ञान के लिए खुला रहने की आवश्यकता है। निकेश भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में अट्ठारह अभिषेक का कार्यक्रम संपन्न हुआ। अभिषेक का सामूहिक लाभ महेंद्रकुमार सोलंकी, मोहनलाल बोहरा, जयचंद चुत्तर, गौतमचंद लुणिया,कांताबाई बोहरा,उर्मिला बोहरा आदि ने लिया।

अमृतवाणी सत्संग मंडल द्वारा अमृतवाणी पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के सान्निध्य में परिवार के सभी सदस्यों द्वारा 21 दिसम्बर को साहूकारपेट स्थित सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में पहले गणेश वंदना गुरु वंदना मां सरस्वती वंदना के बाद सामूहिक रूप से अमृतवाणी का पाठ किया गया। सभी भक्तों के द्वारा भक्ति भजन हुए उसके बाद सभी भक्तों भक्तों ने आरती की और प्रसाद पाया।

श्री सत्यानंद बाबा द्वारा रचित अमृतवाणी का पाठ हर रविवार सुबह 10 बजे से लेकर 12:30 बजे तक सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में होता है। यहां भक्तगण बहुत दूर-दूर से आते हैं। जैसे अन्नानगर, टी नगर, एमकेबी नगर, साहूकारपेट, माधवाराम इत्यादि यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

केंगेरी टीम ने जीती आईजी कप सीजन-4 क्रिकेट प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सीरवी समाज केंगेरी क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित आईजी कप सीजन-4 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें समाज की पांच टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला केंगेरी टीम एवं आरआर नगर टीम के बीच खेला गया, जिसमें केंगेरी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त कर आईजी कप सीजन-4 का खिताब अपने नाम किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेश सैंणचा ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेलमंत्री ढगलाराम लचेटा ने विजेता टीम सहित सभी खिलाडियों को बधाई दी। विजेता टीम व खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर भोमाराम भायल, मंगलाराम हाम्बड़, सुरेश हाम्बड़, कन्हैयालाल लचेटा, हीरालाल सोलंकी, रमेश चोयल, मलाराम राठौड़ सहित सीरवी समाज के अनेक खेल प्रेमी उपस्थित थे।

भोपाल मेट्रो को लेकर पहले दिन दिखा लोगों में खासा उत्साह

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मेट्रो सेवा के पहले व्यायसायिक दिन लोगों में यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। उन्होंने इस दौरान उम्मीद जताई कि इससे न सिर्फ समय और पैसे की बचत होगी बल्कि यातायात जाम से भी राहत मिलेगी।

मेट्रो के एक अधिकारी ने बताया कि शहर में सुबह नौ बजे एम्स स्टेशन से मेट्रो का पहला वाणिज्यिक फेरा शुरू हुआ और शाम छह बजे तक 5,731 लोगों ने सफर का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि लोग सुबह से ही अपने परिवार के सदस्यों के साथ टिकट के लिए कतारों में खड़े हो गए।

इससे पहले, शनिवार को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 7.5 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन पर सुभाष नगर स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर मेट्रो सेवा का उद्घाटन किया था। इसके साथ ही भोपाल इंदौर के बाद मध्यप्रदेश का दूसरा और देश का मेट्रो सुविधा वाला 26वां शहर बन गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वार्षिकोत्सव

बेंगलूरु के मैसूर रोड स्थित बैतरायनपुरा के प्रज्ञा विद्या निकेतन शिक्षण संस्थान का वार्षिकोत्सव कुवेम्पु रंग मंदिर में हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों की मनभावन प्रस्तुति ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा कि बच्चों का मन सरल, सहज, कोमल, निर्मल होता है। बच्चे साक्षात भगवान का रूप होते हैं, उन्हें किताबी ज्ञान के साथ भारत की संस्कृति एवं संस्कारों की भी शिक्षा दी जाए तो यह देश की बहुत बड़ी सेवा होगी। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.